



2022 रिपोर्ट

प्रगति का भविष्य

सतत् विकास लक्ष्य युग का आधा रास्ता तय करने के बाद,
अब समय है अपना दृष्टिकोण बदलने का।

गोलकीपर्स वैश्विक लक्ष्यों की प्राप्ति में तेज़ी लाने के लिए समर्पित है।

2015 में, 193 वैश्विक नेताओं ने 2030 तक गरीबी समाप्त करने, असमानता से लड़ने और जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए 17 महत्वाकांक्षी लक्ष्यों पर सहमति व्यक्त की थी। लक्ष्य 1 से 6 पर विशेष ध्यान देने के साथ, गोलकीपर्स इन सभी लक्ष्यों की प्रगति को और तीव्र करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

सात साल बीत चुके हैं, दुनिया अभी तक लगभग किसी भी लक्ष्य को हासिल करने की राह पर नहीं है। यदि हम वैश्विक प्रगति हासिल करने की अपनी धारणाओं को सामूहिक रूप से चुनौती देते हैं तो विफलता को दूर करना कठिन नहीं है।

उपरी भाग। मैकाकोस, केन्या में एक किसान अपनी नवीनतम संकर जलवायु प्रतिरोधी मकई बीज की फसल से मकई की जाँच करते हुए।

© गेट्स आर्काइव/अलिसा एवरेट



विषय-सूची

4 भूमिका

मेलिंडा फ्रेंच गेट्स और बिल गेट्स द्वारा

7 लैंगिक समानता केवल “सशक्तिकरण” पर नहीं, बल्कि सशक्त महिलाओं पर निर्भर करती है



मेलिंडा फ्रेंच गेट्स द्वारा
सह-अध्यक्ष, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन

15 दुनिया में भूख के बारे में हमें अपनी सोच बदलने की ज़रूरत है



बिल गेट्स द्वारा
सह-अध्यक्ष, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन

24 डेटा की छानबीन

45 कार्यप्रणाली

46 स्रोत और टिप्पणियां

भूमिका

मेलिंडा फ्रेंच गेट्स और बिल गेट्स द्वारा

सह-अध्यक्ष, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन

हम डेटा से जुड़े लोग हैं, और यह एक प्रकार की डेटा रिपोर्ट है।

2015 में, 193 देशों के नेता सतत् विकास लक्ष्यों — एसडीजी'ज़ के लिए सहमत हुए। ये बड़े, साहसिक उद्देश्य थे जिन्हें हम 2030 तक हासिल करना चाहते थे, गरीबी खत्म करने से लेकर लैंगिक समानता हासिल करने तक सब कुछ। और हर साल, यह रिपोर्ट इस सवाल का जवाब देने का प्रयास करती है, “दुनिया इस बारे में क्या कर रही है?” हम चाहते हैं कि लोग यह समझें कि आंकड़े मानव प्रगति के मार्ग के बारे में क्या कहते हैं।

लेकिन इस साल, हमें लगता है कि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि लोग यह समझें कि आंकड़े प्रगति के बारे में क्या **नहीं कह सकते हैं**।

क्योंकि दो महत्वपूर्ण चीज़ें ऐसी हैं जिनकी व्याख्या इस रिपोर्ट में कोई डेटा बिंदु नहीं करता है: वे हैं **आपदा और नवाचार**।

जब सात साल पहले दुनिया भर के विकास विशेषज्ञों ने एसडीजी की पहचान की थी, तो उन्हें इस बात का अनुमान नहीं था कि चार साल के समय में, एक नया वायरस मनुष्य में प्रवेश करेगा, जो अप्रत्याशित महामारी फैलाएगा। उन्होंने यह अनुमान नहीं लगाया था कि यूक्रेन या यमन में युद्ध शुरू हो जाएंगे- या अफगानिस्तान से संयुक्त राज्य अमेरिका तक, महिलाओं के अधिकारों को दशकों पीछे धकेल दिया जाएगा।

लेकिन आज की स्थिति में, हमें अपने अधिकांश लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपनी प्रगति की गति को पाँच गुना तेज़ करना होगा - और हो सकता है कि ये आकलन भी कम साबित हो, क्योंकि यूक्रेन में युद्ध या अफ्रीका में शुरू हुए खाद्य संकट की तो बात ही छोड़िए, महामारी के कुछ प्रभावों का अनुमान अभी तक नहीं लगाया जा सका है।

डेटा जितना खराब लगता है, वास्तविक स्थिति इससे और भी खराब हो सकती है।

या बेहतर हो सकती है।

क्योंकि मानवीय कुशलता की संभावनायें इस डेटा में परिलक्षित नहीं होती हैं।

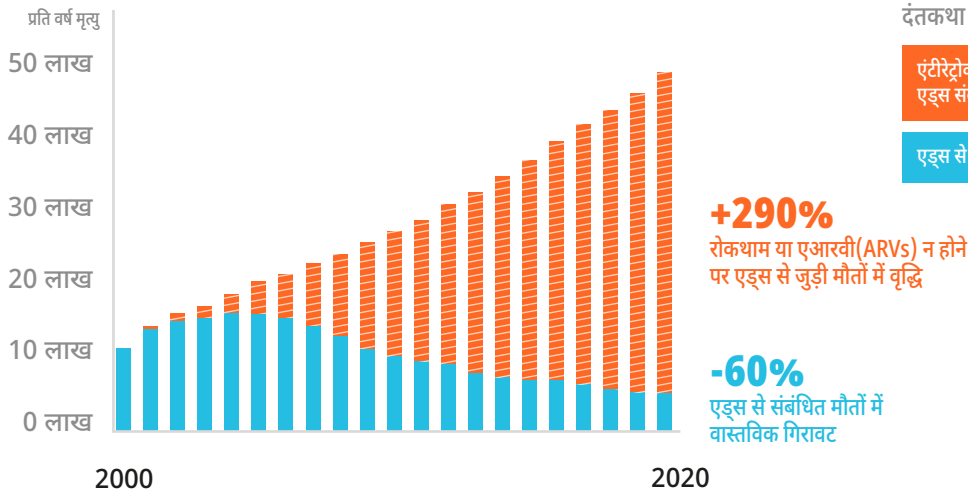
कोई भी अनुमान कभी भी स्थिति बदलने वाले नवाचार की संभावना को कभी भी ध्यान में नहीं रखता, क्योंकि जब ऐसी सफलताएँ सामने आती हैं, तो वे उस समीकरण में सन्निहित सभी मूलभूत मान्यताओं को बदल देती हैं। गणित बिगड़ जाता है (अच्छे रूप में)।

देखिए एचआईवी के मामले में क्या हुआ।

सतत् विकास लक्ष्यों से पहले, सहस्राब्दी विकास लक्ष्य — एमडीजी 'ज़ थे' — और उनमें से एक एचआईवी/एड्स के प्रसार को समाप्त करना था। उस समय यह असंभव लग रहा था, लेकिन समर्थकों, सरकारों और अन्य लोगों के गठबंधन की कड़ी मेहनत और कौशल के कारण, हमने तेजी से प्रगति की। 2000 से 2020 तक, हमने वार्षिक मृत्यु में लगभग 60% की कमी देखी।

एचआईवी/एड्स महामारी में प्रगति की ओर एक नाटकीय बदलाव

एड्स से संबंधित मृत्यु



हमारा मानना है कि संभव है कि एक दिन हम इस रिपोर्ट के आंकड़ों को उसी तरह देखेंगे जैसे हम सहस्राब्दी के बदलने के बाद से एड्स के आंकड़ों को देखते हैं: स्थितियों के इतनी जल्दी और नाटकीय रूप से बदल जाने पर अविश्वास भरी नज़रों से।

मानवीय सरलता हमारे सावधान अनुमानों को अप्रासंगिक बना सकती है और हमारी साहसी आकांक्षायें भी संकुचित प्रतीत हो सकती हैं। निम्नलिखित निबंधों में, हम इस बारे में लिख रहे हैं कि कैसे दो पुरानी समस्याओं - खाद्य सुरक्षा और लैंगिक समानता के बारे में सोचने के नए तरीके ऐसा कर सकते हैं। 17 एसडीजी में से, इन दोनों के बीच सबसे बड़ा डेल्टा हो सकता है कि हम क्या हासिल करने के लिए अपने रास्ते पर बढ़ रहे हैं और हम क्या हासिल कर सकते हैं — क्योंकि नई महत्वपूर्ण खोजों की संभावना बनी रहती है।

“मानवीय सरलता हमारे सावधान अनुमानों को अप्रासंगिक बना सकती है और हमारी साहसी आकांक्षायें भी संकुचित लग सकती हैं।”

- मेलिंडा फ्रेंच गेट्स और बिल गेट्स

इतिहास में ऐसे समय आये हैं जब प्रगति का मार्ग अनुमानित और सीधा होता है; जब आप यह अनुमान लगा सकते हैं कि आज जो हुआ उसके आधार पर कल क्या होगा। लेकिन हम उस युग में नहीं रहते हैं।

एसडीजी युग की पहली छमाही के दौरान, हमने देखा कि कैसे अप्रत्याशित संकट अनपेक्षित तरीकों से प्रगति में रुकावट डाल सकते हैं।

क्या हम एसडीजी युग के दूसरे भाग में इसके विपरीत स्थितियां देखेंगे?

क्या मानवता यह दिखाएगी कि नवाचार के ज़रिए वह वो सब कैसे हासिल कर सकती है जिसे पहले हर कोई असंभव समझता था और एक गहरे गड्ढे से बाहर निकलने का रास्ता किस तरह खोजा जाता है?

यह हम सब पर निर्भर है।

वेबसाइट पर जायें
2022 गोलकीपर्स रिपोर्ट के डिजिटल
संस्करण में अधिक विषयवस्तु प्राप्त करें।
<https://gates.ly/GK2022>

लैंगिक समानता केवल “सशक्तिकरण” पर नहीं, बल्कि सशक्त महिलाओं पर निर्भर करती है

दुनिया भर में महिलाओं की आर्थिक प्रगति रुक रही है
— और कोविड-19 ही इसका एकमात्र कारण नहीं है।



मेलिंडा फ्रेंच गेट्स द्वारा
सह-अध्यक्ष, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन



सच तो यह है कि हम 2030 तक एसडीजी 5 – वैश्विक लैंगिक समानता – तक पहुँचने वाले रास्ते पर कभी भी नहीं थे। लक्ष्यों के निर्धारित होने से पहले ही विकास विशेषज्ञों को इस बारे में पता था। लेकिन आज हम यह कह सकते हैं कि **आधा समय पूरा होने पर प्रगति की गति धीमी ही नहीं हुई है, बल्कि रुक ही गई है।** हमारे डेटा पार्टनर ईक्वल मैजर्स 2030 का अब अनुमान है कि दुनिया कम से कम 2108 तक लैंगिक समानता तक नहीं पहुँच पाएगी – हमारी आशा के विपरीत तीन पीढ़ियों के बाद।

अहमदाबाद, गुजरात, भारत।

© गेट्स आर्काइव/मानसी मधिा

बेशक, “लैंगिक समानता तक पहुँचने के लिये वर्ष” जैसे आंकड़ों की संख्या अनिश्चित है, लेकिन ये स्वास्थ्य परिणामों और आर्थिक भागीदारी, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और माध्यमिक शिक्षा जैसे विषयों के बारे में कठिन, निर्विवाद डेटा पर आधारित हैं। और आज, वही डेटा यह बात चीख-चीख कर कह रहा है: लैंगिक समानता में और गिरावट आ रही है और यह लक्ष्य पहुँच से बाहर हो रहा है।

क्यों? एक व्याख्या यह है कि महामारी जैसे बड़े, वैश्विक झटकों ने महिलाओं की आजीविकाओं को असमान रूप से खत्म किया है।

COVID-19 के आर्थिक दुष्प्रभाव

श्रम बल भागीदारी

अनुमान 2022



प्रति सप्ताह काम के घंटे

अनुमान 2022



बेरोजगारी रिकवरी की दर

2020-22 के बीच तुलना



सूचक

महिला

पुरुष

समानता के लिए अंतर

लेकिन स्पष्ट रूप से, सिर्फ कोविड-19 को दोष देना अपनी ज़िम्मेदारी से बचना होगा। हमें मुश्किल सवाल पूछने होंगे: महामारी जैसी गैर लैंगिक घटनाओं का महिलाओं पर प्रभाव क्यों पड़ता है? महिलाओं और लड़कियों के जीवन को बेहतर बनाने के दशकों के उच्च स्तरीय प्रयासों के बाद भी समानता अभी भी कई पीढ़ियों की पहुँच से बाहर क्यों है?

इसका ईमानदार उत्तर यह है: ऐसा इसलिए है क्योंकि दुनिया ने अभी भी लैंगिक समानता पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है - और जब भी हम ध्यान देते हैं, तो इससे केवल लक्षणों का इलाज होता है, कारण का नहीं।

विश्व बैंक ने बताया कि महामारी से पहले भी महिलाओं और पुरुषों के बीच जीवन भर की अपेक्षित कमाई में 172.3 ट्रिलियन डॉलर का अंतर था - दुनिया के वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद के आकार का दोगुना।



मेक्सिको सिटी स्थित अपने घर में एक महिला अपने पोते को नाश्ता देते हुए।

© गेट्स आर्काइव / जेनेट जरमन

वर्षों से, इस अंतर को पाटने की कोशिशें (हमारे फाउंडेशन सहित) “महिला आर्थिक सशक्तिकरण” के आसपास केंद्रित रही हैं, जो महिलाओं को नौकरी या नकदी प्रदान करने का एक लघु प्रयास है। ये आर्थिक समानता के उपायों को ऊपर उठाने के प्रमाणित तरीके हैं - लेकिन फिर भी, आर्थिक सशक्तिकरण लाखों महिलाओं से दूर ही है।

इसलिए हमें निरंतर सवाल पूछते रहने होंगे: एक बार महिलाओं के पास यह पैसा आ जाने के बाद, क्या वे वास्तव में इसे खर्च कर सकती हैं? या इसकी ताकत उनके पतियों के पास है?

जब कोई महिला नौकरी हासिल कर लेती है, तो क्या वह वास्तव में काम और अपने बच्चों की देखभाल, दोनों कर सकती है? या वह असफल कहलाने लिए तैयार है?

ये सवाल सिद्धांत और वास्तविकता के बीच के अंतर को दर्शाते हैं। क्योंकि जब हम आर्थिक संकेतकों को बदलने के लिए नीतियां बनाते हैं, तो हो सकता है कि हम असली ज़िंदगियों को न बदल रहे हों। हम केवल महिलाओं के सशक्तिकरण की बात नहीं कर सकते; हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वे अपने परिवार और समुदायों में सशक्त और मज़बूत हो रही हैं।

“हम केवल महिलाओं के सशक्तिकरण की बात नहीं कर सकते; हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वे अपने परिवार और समुदायों में सशक्त और मज़बूत हो रही हैं।”

— मेलिंडा फ्रेंच गेट्स

पैसा होने और इसे खर्च करने में सक्षम होने के बीच का अंतर

सरकारों से नागरिकों को नकद राशि का हस्तांतरण आर्थिक सुदृढ़ता के निर्माण का एक सुनिश्चित तरीका है। महामारी के शुरुआती दिनों में, दुनिया भर में 130 करोड़ लोगों को उनकी सरकारों से आपातकालीन नकदी मिली थी।

इस तरह के आपातकालीन स्थानान्तरण अक्सर लिंग की परवाह किए बिना किए जाते हैं - जिसका अर्थ है कि पुरुषों, जिन के पास सरकारी आईडी होने या टैक्स की सूची में आने की अधिक संभावना है, को नकदी मिलने की अधिक संभावना होती है। लेकिन वास्तव में महिलाओं को ही ऐसे समय में आमतौर पर सबसे बड़ी वित्तीय ज़रूरतें होती हैं।

निम्न आय वाले देशों में कई महिलाएं अनौपचारिक काम से आजीविका कमाती हैं, जिसका अर्थ है कि उन्हें नियमित तनखाह, सवैतनिक अवकाश या बेरोजगारी बीमा के बिना आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ता है। उनमें से कई जीवित रहने की रणनीतियों का सहारा लेती हैं जो उन्हें गरीबी में फंसाये रखती हैं: अनौपचारिक कार्यबल में 2021 में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि महामारी से बचने के लिए 52% महिलाओं ने अपनी बचत से, 46% ने पैसा उधार ले कर, और 17% ने संपत्ति बेच या गिरवी रख कर व्यवस्था की थी।

डिजिटल वित्तीय साधन जैसे मोबाइल धन खाते, सरकारों के लिए प्रभावी लैंगिक हितैषी नकद हस्तांतरण प्रदान करने का एक सक्षम तरीका है। और ऐसे मोबाइल भुगतान महिलाओं को नकद भुगतान की तुलना में अपने पैसे पर अधिक नियंत्रण की सुविधा देते हैं - क्योंकि जब पैसा सीधे उनके ऑनलाइन खाते में जमा किया जाता है, तो उनके पति या किसी और के लिए इस पर अपना दावा करना मुश्किल होता है।



मेंगोबो, लोकतान्त्रिक गणराज्य काँगो में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता मोबाइल फोन द्वारा सरकारी डिजिटल भुगतान सेवाओं के लिए पंजीकृत करता हुआ।

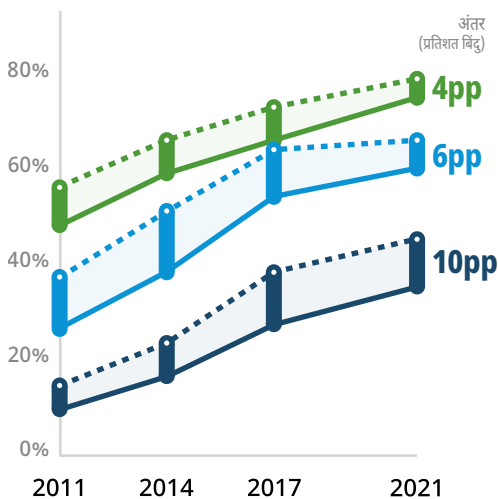
© गेट्स आर्काइव/जूनियर डियातेजुआ कन्नाहो

हमने देखा है कि जब महिलाओं पर पति का कम दबाव हो और उन्हें छोटी राशि के कर्ज खर्च करने का मौका मिले तो क्या होता है: युगांडा में, जिन महिलाओं ने इस तरह के कर्ज का निवेश अपने व्यवसायों में किया, उन्हें नकद में कर्ज लेने वालों की तुलना में 15% अधिक लाभ हुआ। और नाइजर में, नकद के बजाय मोबाइल मनी के माध्यम से नकदी हस्तांतरण भुगतान करने का मतलब था कि महिलाओं के बाजार जाने, अनाज बेचने और अन्य तरीकों से अर्थव्यवस्था में भाग लेने की संभावना अधिक थी।

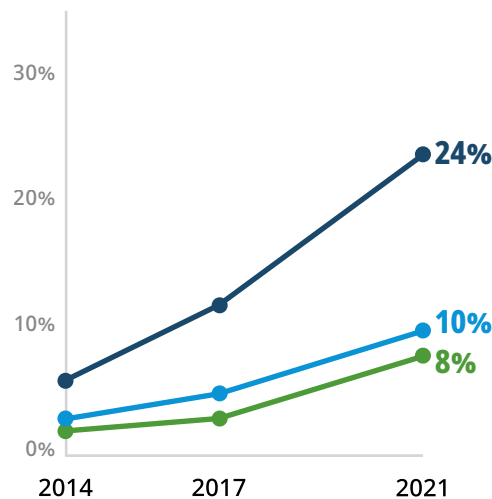
डिजिटल भुगतानों का फायदा आश्चर्यजनक तरीकों से भी होता है: विश्व बैंक ने पाया कि जो व्यक्ति अपनी सरकार से डिजिटल भुगतान प्राप्त करता है, उसके अन्य वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाने की संभावना भी अधिक होती है, जैसे कि बचत करना या उधार लेना। और महिलाएं नए आर्थिक अवसरों के रास्ते खोजने के लिए स्मार्टफोन और मोबाइल मनी अकाउंट जैसे डिजिटल उपकरण का उपयोग कर सकती हैं: जिनमें बिजनेस शुरू करने या उसे आगे बढ़ाने के लिए कर्ज लेना, नए उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल करना और लोकल तथा बड़े ऑनलाइन बाजारों से जुड़ना शामिल है।

प्रगति का एक उज्ज्वल स्थान - और अवसर

वित्तीय खाते का स्वामित्व, महिला और पुरुष



मोबाइल मनी खाते का स्वामित्व, महिला



सूचक

दुनिया

निम्न-मध्यम आय वाले देश

कम आय वाले देश

— महिला

- - - - पुरुष

उदाहरण के लिए, हमारा फाउंडेशन महिलाओं के लिए देश के स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम के डिजिटलीकरण के लिए भारत के ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ मिल कर काम कर रहा है। पूरे भारत में, हजारों स्वयं सहायता समूह हैं - उन्हें अक्सर “महिला सशक्तिकरण समूह” कहा जाता है - जहाँ महिलाएं अपने व्यक्तिगत या आर्थिक लक्ष्यों की खोज में एकजुट हो कर काम करती हैं। कभी-कभी, वे संपत्ति और उपकरण खरीदने के लिए अपना पैसा जमा करते हैं जिससे उनकी आजीविका और आर्थिक विकास में सहायता मिलती है। नई डिजिटलीकरण

प्रक्रिया इस अनुभव को ऑनलाइन लाएगी, जिससे महिलाएं बहीखाता प्रक्रिया कर पायेंगी, क्रेडिट एक्सेस कर पायेंगी और यहाँ तक कि वे अपने स्मार्टफोन से नए ग्राहकों तक भी पहुँच सकेंगी।

डिजिटल वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण जैसी सहायता के साथ उपलब्ध कराये जाने पर डिजिटल टूल्स का सबसे अधिक प्रभाव पड़ेगा। भारत में हुए 2019 अब्दुल लतीफ जमील पॉवर्टी एक्शन लैब अध्ययन में पाया गया कि जब महिलाओं को उनके नियंत्रण वाले वित्तीय खातों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया, तो उनकी कमाई करने की संभावना 7% अधिक हो गई थी, उनकी आय 30% अधिक हो गई, और उनकी खरीदारी करने की भी अधिक संभावना थी।

नौकरी के उपलब्ध होने और उसे हासिल करने में सक्षम बनने के बीच का अंतर।

लेकिन डिजिटल उपकरण आने के बाद मिलने वाले अवसरों के बावजूद, स्वयं का धन कमाने की इच्छा रखने वाली कई महिलाओं के लिए एक प्रणालीगत रुकावट बनी रहती है।

जून में, मैंने सेनेगल में इंस्टीट्यूट पाश्चर डि डैकर का दौरा किया, जहाँ मैं क्लिनिकल रिसर्च एंड डेटा साइंस की इंस्टीट्यूट डायरेक्टर डॉ बिलो टाल से मिली। उन्होंने मुझे बताया कि वह आज जहाँ है वहाँ नहीं होती अगर उस विश्वविद्यालय ने उनकी पढ़ाई के दौरान उनके नवजात बेटे की देखभाल में मदद करने के लिए विशेष आवास बनाकर न दिया होता।



डॉ. बिलो टाल (केंद्र) ने सेनेगल के डैकर में इंस्टीट्यूट पाश्चर डी डैकर में सहयोगियों के साथ जानकारी साझा करते हुए।

© गेट्स आर्काइव / कारमेन यास्मीन अबद अली

डॉ टाल की कहानी एक बुनियादी सच्चाई को प्रदर्शित करती है: अच्छी तरह देखभाल करने वाले बुनियादी ढाँचे के बिना महिलाओं के पास कभी भी पूर्ण आर्थिक शक्ति नहीं होगी। वस्तुतः प्रत्येक समाज में, महिलाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे बिना किसी भुगतान के बच्चों, परिवार के सदस्यों और घरों की देखभाल करें। यह एक आवश्यक लेकिन ऐसी ज़िम्मेदारी है

जिसके महत्व को कम आँका गया है और जिसने अनगिनत महिलाओं को नौकरी करने वाले वर्ग में शामिल होने और कामयाब बनने से रोक दिया है। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, अवैतनिक देखभाल का समय महिलाओं के कुल कामकाजी घंटों के आधे से अधिक होता है, जिसका अर्थ है कि उनके पास कमाई करने के लिए कम समय ही उपलब्ध है।

अब एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें जिसमें अवैतनिक देखभाल कर्ताओं की एक पीढ़ी अपने खुद के चाइल्ड केयर बिज़नेस चलाने वाले सभुगतान उद्यमी बन जाएं।

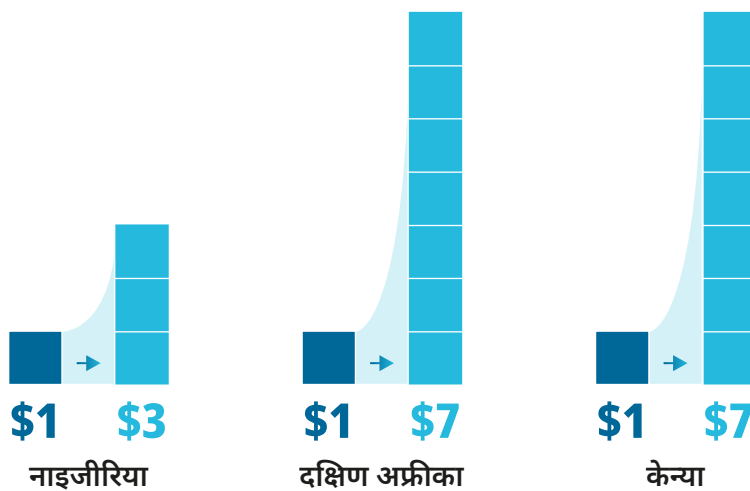
महामारी के दौरान, मैंने केन्याई सामाजिक उद्यम संगठन किडोगो की सह-संस्थापक सबरीना हबीब के साथ बात की, जो केन्याई महिलाओं के साथ अनौपचारिक डे केयर चलाती हैं। यह तीन गुना फायदा प्रदान करता है: नैरोबी के कम आय वाले परिवारों के लिए बाल देखभाल, देखभाल प्रदान करने वाले “ममाप्रेन्योर्स” के लिए बेहतर आजीविका, और पूरे समुदाय में अधिक कुशल और लाभदायक बाल देखभाल व्यवसाय। सभी को इसका फायदा होता है।

अगर इसी तरह के चाइल्ड केयर मॉडल पूरे देश में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में फैल जायें तो क्या से क्या संभव हो सकता है?

सबसे पहले यह मॉडल भारी आर्थिक लाभ उपलब्ध कराएगा। बड़े पैमाने पर बाल देखभाल के बुनियादी ढाँचे में निवेश करना न केवल किसी महिला की स्वायत्तता की भावना या उसके परिवार के जमीनी स्तर के लिए आवश्यक है - बल्कि यह हमारी अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक स्मार्ट प्रक्रिया है। जब हमारे डेटा पार्टनर फ्रेम ने केन्या, नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका में बड़े, राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व वाले सर्वेक्षण किए, तो उन्होंने पाया कि अगर बेहतर सरकारी बाल देखभाल नीतियां और और उनकी फंडिंग होती, तो लगभग 1.50 करोड़ महिलाएं श्रम बल में प्रवेश करती या फिर से उस में शामिल हो जातीं।

महिलाओं, परिवारों और समुदायों में एक स्मार्ट निवेश

बाल देखभाल सेवाओं के लिए निवेश पर प्रतिफल



सूचक

बाल देखभाल सेवाओं में निवेश

बड़ी हुई आर्थिक गतिविधि



व्यवसायी कमारा सी (दाएं) डकार, सेनेगल में WIC कैपिटल में अपने कर्मचारियों के साथ।

© गेट्स आर्काइव / कारमेन यास्मीन अबद अली

प्रगति के भविष्य की कुंजी

वास्तविक समानता न केवल किसी महिला की आजीविका हासिल करने की क्षमता पर, बल्कि इसे पूरी तरह नियंत्रित करने की उसकी क्षमता पर भी निर्भर करती है। इसका मतलब न केवल रसोई की मेज पर खाना रखना है, बल्कि अपने परिवार के लिए निर्णय लेने में सक्षम बनना भी है। इसका अर्थ केवल सरकारी नीति से लाभ प्राप्त करना नहीं है, बल्कि उन नीतियों को तैयार करना भी है। इसका अर्थ केवल सशक्तिकरण नहीं, बल्कि वास्तविक, जीवंत शक्ति हासिल करना है।

क्योंकि जब महिलाओं के पास अपने पैसे पर, अपने शरीर पर और अपने समाज में शक्ति होती है, तो उससे हम सभी को फायदा होता है। महिलाएं शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाली गुणक हैं: अनुसंधान की एक श्रृंखला से पता चलता है कि जब महिलाएं अपने स्वयं के धन को नियंत्रित कर सकती हैं, तो उनकी स्वयं के प्रति भावना बदल जाती है। इसी तरह उनके आसपास के लोगों की अपेक्षाओं में भी बदलाव आता है। उनके बच्चों के स्कूल जाने की संभावना अधिक हो जाती है। उनके परिवार अधिक स्वस्थ हो जाते हैं। उनकी घरेलू आय बढ़ती है - और इस तरह वैश्विक अर्थव्यवस्था भी बढ़ती है।

इसलिए जब प्रगति के भविष्य की बात आती है - न केवल लैंगिक समानता से संबंधित वैश्विक लक्ष्यों बल्कि अच्छे स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरीबी समाप्त करने, और बहुत कुछ और के लिये - एक इंजन है जो उन सभी को आगे ले जा सकता है: वह है महिला शक्ति।

वैश्विक भुखमरी के बारे में हमें अपनी सोच बदलने की ज़रूरत है

यूक्रेन में युद्ध से पता चलता है कि केवल मानवीय सहायता से भुखमरी का समाधान नहीं किया जा सकता है। कृषि अनुसंधान एवं विकास में निवेश की आवश्यकता है।



बिल गेट्स द्वारा
सह-अध्यक्ष, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन



फरवरी में, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने यूरोप से अफ्रीका तक अनाज के प्रवाह में रुकावट पैदा कर दी जिससे एक दूसरे महाद्वीप पर एक और मानवीय संकट पैदा हो गया।

नजरो केन्या।

© एएटीएफ / ड्रीम कैचर

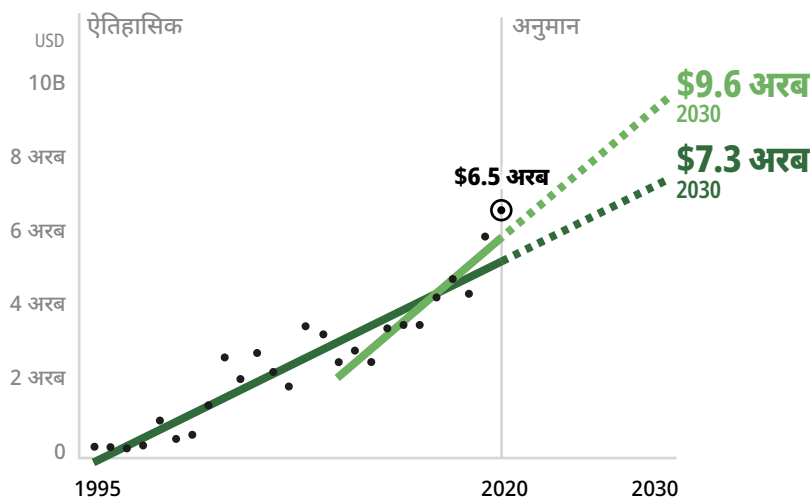
चौदह अफ्रीकी राष्ट्र अपने आधे गेहूं आयात के लिए यूक्रेन और रूस पर निर्भर थे। अब, उन शिपमेंट को रद्द कर दिया गया था, और आपूर्ति के झटके से इसके स्थान पर आने वाली गेहूं की कीमत 40 वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गई। अंततः मई में कीमतों में गिरावट शुरू हो गई, लेकिन इस बीच, एक आधुनिक अकाल के कारण दुनिया के नेताओं ने खतरे को

महसूस किया, सहायता का आह्वान किया गया – धन और भोजन को उप-सहारा बंदरगाहों पर तुरंत भेज दिया गया।

यूक्रेन में युद्ध से पहले भी, खाद्य सहायता आसमान छू रही थी, और यह दशक के अंत तक बढ़ती रहने का अनुमान है।

निम्न आय वाले देशों को दी जाने वाली खाद्य सहायता रिकॉर्ड स्तर पर है—और बढ़ रही है

खाद्य सहायता पर विगत और अनुमानित व्यय



प्रचलित कथा

वैश्विक प्रवृत्ति 1995-2020

वैश्विक प्रवृत्ति 2010-2020

एक मायने में यह बहुत अच्छी और ज़रूरी बात है। दुनिया को उदार होना चाहिए और लोगों को भूखे रहने से रोका जाना चाहिए। लेकिन दूसरे अर्थ में, यह बड़ी समस्या का समाधान नहीं करता है।

लक्ष्य केवल अधिक खाद्य सहायता देना नहीं होना चाहिए।

यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी को खाद्य सहायता की ज़रूरत ही न पड़े।

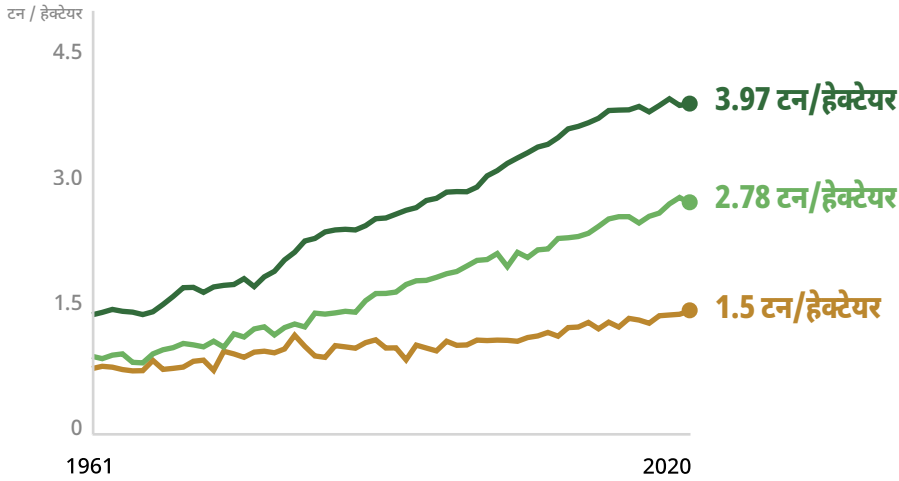
अच्छा यह है कि एक कदम पीछे हटा जाए और एक बुनियादी सवाल पूछा जाए: पूर्वी यूरोप में उत्पन्न संकट के कारण छह हजार मील दूर लाखों लोगों को भूखा रहने की धमकी क्यों झेलनी पड़ी?

यह एक जटिल मुद्दा है। लेकिन देखा जाए तो, यह एक ऐसी कहानी है जो बताती है कि भोजन का उत्पादन करना कहाँ आसान है - और कहाँ नहीं।

आपकी फसल की मात्रा अक्सर इस बात पर निर्भर करती है कि आप कहाँ रहते हैं

फसल उपज, टन प्रति हेक्टेयर (टन/हे)

अनाज और दालों सहित प्रति हेक्टेयर उत्पादित खाद्य पदार्थों (टन) की खेती



प्रचलित कथा

दक्षिण - पूर्व एशिया

दक्षिण एशिया

उप सहारा अफ्रीका

1960 के दशक के बाद से, पूरी दुनिया में कृषि उत्पादकता में वृद्धि हुई है। किसानों ने देखा कि उनकी फसल की उपज बढ़ गई है, लेकिन वे हर जगह समान दर से संपन्न नहीं हो पाए। चीन और ब्राज़ील जैसे स्थानों में, फसल उत्पादकता में उछाल आया, जबकि कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों - लाओस और कंबोडिया में उत्पादकता वैश्विक औसत से पीछे रह गई। उप-सहारा अफ्रीका में, फसल दुनिया में कहीं और की तुलना में बहुत धीमी गति से बढ़ी - और इतनी कम कि घरेलू आबादी को खिलाने के लिए आवश्यक तेज़ी भी हासिल नहीं कर पाई।

जब कोई क्षेत्र अपने लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त रूप से उपज पैदा नहीं कर सकता है, तो केवल एक ही उपाय है - खाद्य पदार्थों का आयात करना - जो अफ्रीका को सालाना 23 अरब अमेरिकी डॉलर दे कर करना पड़ता है।

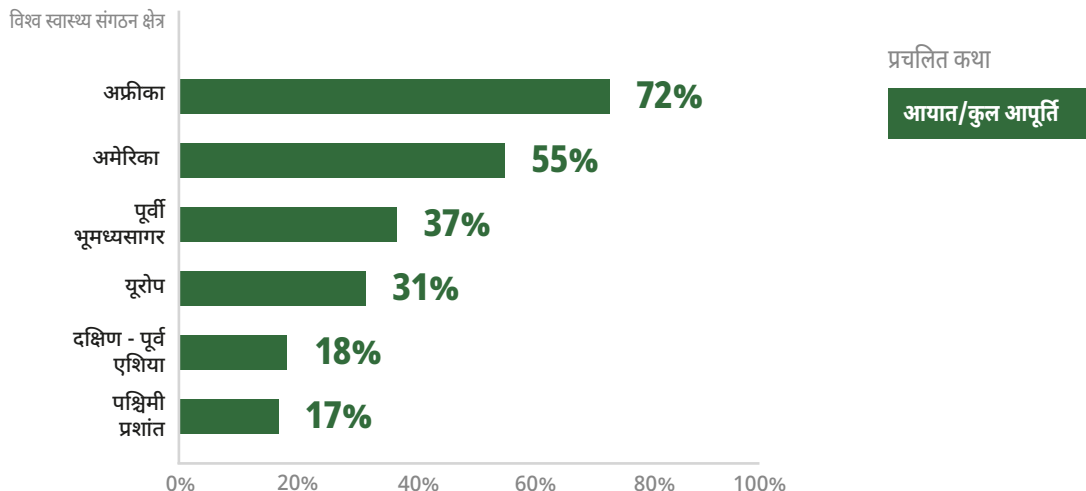
प्रत्येक अफ्रीकी देश अलग है, लेकिन किसी के भी पूर्वी यूरोप से अनाज लेने की संभावना नहीं है क्योंकि वह ऐसा चाहता है। यह आयात कर रहा है क्योंकि इसे करना पड़ रहा है। निम्न कृषि उत्पादकता का संबंध उन परिस्थितियों से है जिनमें अफ्रीकी किसान श्रम करते हैं।

“लक्ष्य केवल अधिक खाद्य सहायता देना नहीं होना चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी को खाद्य सहायता की ज़रूरत ही न पड़े।”

- बिल गेट्स

वर्तमान घरलू उत्पादन अफ्रीका की खाद्य आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है

आयात से आने वाले गेहूँ की मात्रा (प्रतिशत में)



अधिकांश किसान भूमि के बहुत छोटे टुकड़ों पर खेती करके जीवन बिताते हैं, अधिकांश के पास एक हेक्टेयर (2.4 एकड़) से भी कम भूमि है, पर्याप्त सिंचाई या उर्वरक के बिना, इसलिए जब भी व्यापक खाद्य प्रणाली को झटका लगता है - और भोजन की कुल वैश्विक आपूर्ति कम हो जाती है - वे घाटे को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हो पा रहे हैं। लोग भूखे रह जाते हैं। इस बार का झटका एक युद्ध के रूप में था जिसने पूर्वी यूरोपीय खेतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के बीच एक असंबद्धता बनाई, लेकिन अगली बार यह एक अलग प्रकार का झटका हो सकता है, जैसे सूखा, या गर्मी की लहर, जो पूरे अफ्रीका में सभी खेतों को मिटा देती है। वास्तव में, यह अधिक संभावित परिदृश्य है।

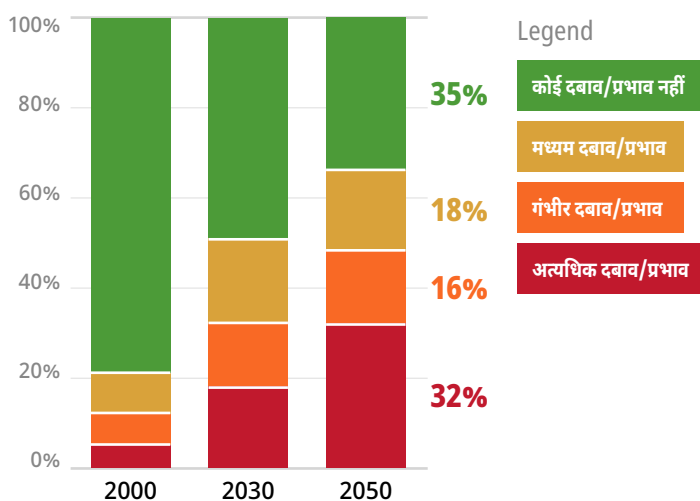
यहीं से जलवायु परिवर्तन कहानी में प्रवेश करता है। यूक्रेन में युद्ध वैश्विक खाद्य आपूर्ति के लिए एक बड़ी रुकावट थी, लेकिन जलवायु परिवर्तन एक बहुत बड़ी समस्या प्रस्तुत करता है। यह कृषि के आविष्कार के बाद से खाद्य उत्पादन के लिए सबसे बड़ा खतरा है, खासकर अफ्रीका में, जहाँ पर्यावरण दुनिया में किसी और जगह की तुलना में सबसे तेज़ी से बिगड़ रहा है।

अफ्रीका में खेती पर जलवायु परिवर्तन के संभावित प्रभाव को और अधिक स्पष्ट रूप से देखने के लिए, हमारे फाउंडेशन ने हाल ही में “एग्रीकल्चरल एडॉप्शन एटलस” नामक डेटा विज़ुअलाइज़ेशन टूल के विकास में सहयोग दिया है। जब विशेषज्ञों ने दृश्य परिणाम देखे, तो वे घबरा गए। इसे समझने का सबसे आसान तरीका एक ही फसल पर ध्यान केंद्रित करना है: मकई या जैसा कि दुनिया के अधिकांश लोग इसे “मक्का” कहते हैं।

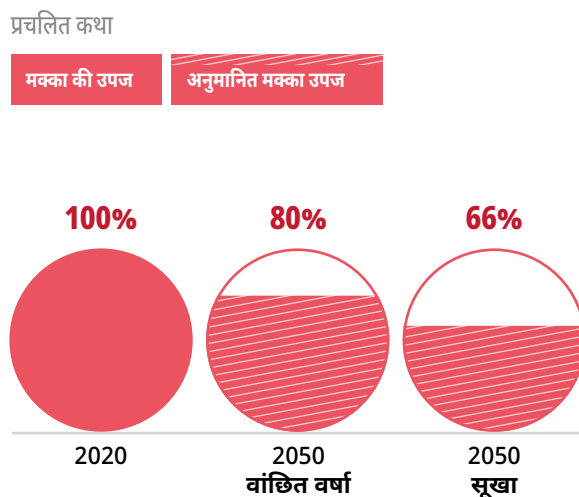
उप-सहारा अफ्रीका में लोग अपने भोजन में सभी तरह की कैलोरी का लगभग 30% हिस्सा मक्का के रूप में खाते हैं। यह एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण फसल है, लेकिन साथ ही संवेदनशील भी है। जब तापमान 30 डिग्री सेल्सियस (86 डिग्री फ़ारेनहाइट) से अधिक हो जाता है, तो इसके बढ़ने की प्रक्रिया टूटने लगती है; परागण और प्रकाश संश्लेषण धीमा पड़ जाता है। प्रति दिन 30 सेल्सियस से ऊपर हर अतिरिक्त डिग्री से फसल की उपज में कम से कम 1% की कटौती हो जाती है। उदाहरण के लिए, यदि तापमान पाँच दिन 35 डिग्री सेल्सियस (95 फ़ारेनहाइट) रहता है, तो 5 की पाँच गुणा यानि 25% फसल नष्ट हो जाती है।

उप-सहारा अफ्रीका की सबसे महत्वपूर्ण फसलें खतरे में हैं

उप-सहारा अफ्रीका में अत्यधिक गर्मी का मक्का वितरण पर प्रभाव (%)



नाइजीरिया में मक्के की उपज में अनुमानित परिवर्तन, 2050



एग्रीकल्चरल एडॉप्शन एटलस यही पूर्व सूचना देती है: दशक के अंत तक, अफ्रीका की मक्के की फसल के 30% इन स्थितियों का असर होगा - और यह फसलों से लेकर पशुधन तक हर दूसरे खाद्य स्रोत में होगा। गंभीर जलवायु दबाव इस बात का प्रमुख कारण है कि अफ्रीका में 2030 में 32 मिलियन अधिक लोगों के भूखे रहने का अनुमान है।

जमीन के छोटे भूखंडों पर किसानों के लिए, कई सीधे समाधान नहीं हैं। विश्व बैंक और नाइजीरियाई सरकार के एक हालिया सर्वेक्षण में किसानों से पूछा गया, “फसल की पैदावार कम होने पर आपके क्या विचार हैं,” और दूसरी और तीसरी सबसे आम प्रतिक्रियाएं “कम खाना” और “पशुधन बेचना” थीं, जबकि शीर्ष जवाब सिर्फ था “कुछ मत करो।”

सौभाग्य से, अन्य, बेहतर विकल्प मौजूद हैं।

किसान जलवायु परिवर्तन से कैसे लड़ सकते हैं? जादुई बीज

चौदह साल पहले, हमारे फाउंडेशन ने अफ्रीकी फसल शोधकर्ताओं के एक समूह को सहायता देनी शुरू की थी। उनका लक्ष्य एक नए प्रकार का मक्का विकसित करना था - जिसे मैंने “जादुई बीज” कहना शुरू किया।

बेशक, ये बीज वास्तव में कोई जादू नहीं थे, लेकिन फसल की चुनींदा किस्मों की नस्ल में सुधार कर के ऐसा किया गया था, शोधकर्ताओं का मानना था कि वे संकर मक्का का उत्पादन कर सकते हैं जो गर्म, शुष्क जलवायु के लिए अधिक प्रतिरोधी होगा। वे शानदार तरीके से सफल हुए।

जब केन्या के शोधकर्ताओं ने इस नए मक्का के भूखंडों की तुलना की, जिसे उन्होंने “ड्रॉट्टीइजीओ” कहा, तो उन्होंने देखा कि ड्रॉट्टीइजीओ खेत प्रति एकड़ औसतन 66% अधिक अनाज का उत्पादन कर रहे थे। वह फसल पूरे एक साल के लिए छह लोगों के परिवार को खिलाने के लिए पर्याप्त है, और परिवार के पास अभी भी इतना मक्का अतिरिक्त होगा कि वे इसे लगभग \$880 में बेच सकते हैं, जो औसत केन्याई की पाँच महीने की आय के बराबर है। वास्तव में, कई किसान यदि ड्रॉट्टीइजीओ को अपना लेते हैं तो वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने या नए घर बनाने का खर्च उठा सकते हैं।

इस तरह का कृषि नवाचार पंजाब सहित दुनिया भर में हो रहा है। इस क्षेत्र के किसान भारत की दो मुख्य खाद्यान्न फसलें उगाते हैं - वर्षा के मौसम में चावल और शुष्क उत्तरी भारतीय सर्दियों में गेहूँ - लेकिन जलवायु परिवर्तन उनकी आजीविका को समाप्त कर रहा है। 2010 में, और फिर 2015 में, शुरुआती गर्मी के थपेड़ों ने चावल पर प्रहार करते हुए नमी वाले मौसम को सूखे में बदल दिया। जवाब में, स्थानीय किसानों ने एक नया समाधान खोजने के लिए पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के साथ काम किया: छोटी अवधि में उगने वाली चावल की एक किस्म का उपयोग किया गया जिसे उगने में तीन सप्ताह कम लगते हैं। जलवायु परिवर्तन से बढ़ने वाली गर्मी के थपेड़ों से फसल पकने से पहले इसकी कटाई की जा सकती है। और इससे किसानों को अपना गेहूँ पहले बोने की सुविधा भी मिली। एक बीज से पंजाब दो फसलों का लाभ उठा रहा था।



मैकाकोस, केन्या में एक किसान अपने पुनर्नवीनीकरण मक्का की तुलना उसके बड़े संकर जलवायु प्रतिरोधी मक्का से कर रहा है।

© गेट्स आर्काइव / अलीसा एवरेट

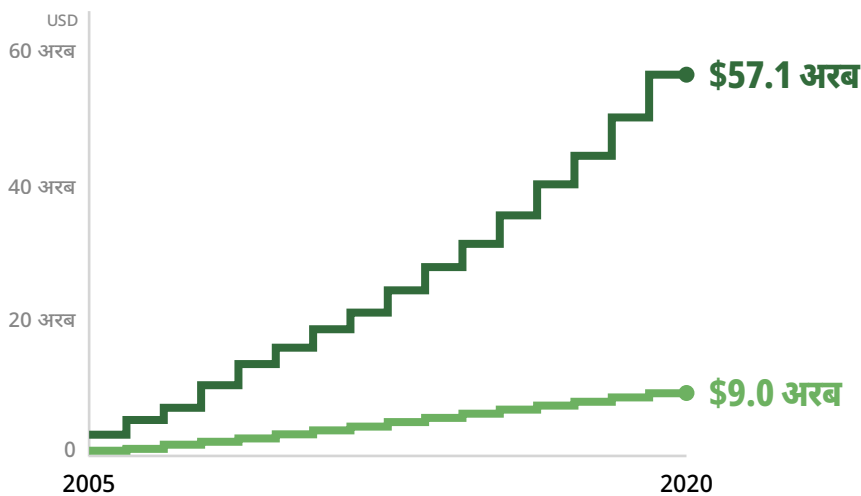
डॉटटीइजीओ मक्का और कम अवधि के चावल जैसे नवाचारों ने मेरे अंदर इस आशा का संचार किया है कि बदलती जलवायु के बावजूद कृषि उत्पादकता में अभी भी वृद्धि हो सकती है। लेकिन मैं चाहता हूँ कि इन नए बीजों को और तेज़ी से अपनाया जाए। कृषि अनुसंधान एवं विकास में निवेश अभी भी बहुत कम है।

आइए खाद्य सहायता के उस आसमान छूते ग्राफ पर वापस जाएं और इसे जादुई बीज जैसे नए नवाचारों के लिए अनुसंधान एवं विकास बजट के साथ रखें। तुलना करके देखें तो वह रेखा सपाट लगती है।

लंबी अवधि तक भूख की समस्या को हल करने का एक मौका चूका गया

खाद्य सहायता और कृषि अनुसंधान पर संचित खर्च

2005 से शुरुआत के बाद कुल योग



प्रचलित कथा

खाद्य सहायता

कृषि अनुसंधान

वर्तमान खाद्य संकट को दूर करने और कृषि उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए, एक महत्वपूर्ण समाधान इन दो पंक्तियों के झुकावों को एक दूसरे की तरह दिखाना है, यानि जादुई बीजों के लिए फंडिंग में बड़ी वृद्धि - और इसके अलावा खेती में भी अन्य मौलिक निवेश।

आखिरकार, उत्पादकता केवल एक तरह के भरोसे की (“जैक एंड द बीनस्टॉक”) समस्या नहीं है, जहाँ किसान जादुई बीज बो सकते हैं और — वाह! — उनकी फसलें आसमान छूने लगती हैं। यह उससे कहीं अधिक जटिल है। किसानों को कई अलग-अलग तरीकों की मदद की आवश्यकता होती है, जैसे कि माइक्रो-फाइनेंसिंग ताकि वे उर्वरक या ग्रामीण बुनियादी ढाँचे में पैसा लगा सकें, जैसे नई सड़कें ताकि उनकी फसलों को आसानी से बाज़ार तक पहुँचाया जा सके। यहाँ तक कि “जादुई बीज” को सहायक निवेश की आवश्यकता होती है ताकि वे जादू की तरह काम कर सकें।

जो देश ऐसे नवाचारों का लाभ उठाना चाहते हैं, उनको मजबूत व्यवस्थाएं और नियम विकसित करने चाहिए जिससे कि न केवल नियमित सुरक्षा जाँच और गुणवत्ता परिक्षण संभव हो पाए, और छोटे किसानों को आसानी से उत्पाद भी उपलब्ध होते रहे। अत्याधुनिक बीज तकनीकों को किसानों तक तुरंत पहुँचाने के लिए ये करना अति आवश्यक है।

कृषि के लिए एआई

कम अवधि में पैदा होने वाले चावल और ड्रॉटटीइजीओ मक्का आज बड़ी पैदावार दे रहे हैं, लेकिन इस बात की गारंटी नहीं है वे 2030 या 2050 में ऐसा करना जारी रखेंगे। किसानों को नए बीज बोने की आवश्यकता होगी क्योंकि पर्यावरण अप्रत्याशित तरीके से बदलता है। किसान और शोधकर्ता कैसे निर्धारित करते हैं कि वे बीज क्या होने चाहिए? या उन्हें कब लगाया जाना चाहिए? हम पहले जो काम कर चुके हैं उस पर भरोसा नहीं कर सकते।

इतिहास में अधिकांश समय के लिए, कृषि धीमी गति से विकास वाली प्रक्रिया रही है, जिसे किसानों ने सदियों के दौरान बदला और परिपूर्ण किया है क्योंकि स्थितियाँ लगभग समान थीं। हर किसी का खेत कमोबेश अपने दादा-दादी के खेत की तरह दिखता था, इसलिए उन्होंने एक ही समय में वही चीज़ें लगाईं, हो सकता है कुछ ने अलग हट कर कुछ नवाचार किए हों।

साथ ही, सबसे अच्छी फसलों का प्रजनन कुछ हद तक आधुनिक पौधों के प्रजनकों द्वारा संचालित एक धीमी, हस्तचालित प्रक्रिया रही है। CGIAR (पहले इसे अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान के लिए सलाहकार समूह के रूप में जाना जाता था) फसल प्रजनकों (क्रॉप ब्रीडर्स) का दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है, और अफ्रीका में, उनके पास केवल तीन लोग हैं जो लाखों संभावित विकल्पों में से सर्वश्रेष्ठ बीन किस्मों का चयन करने के लिए समर्पित हैं।

हमें पौध प्रजनन कार्य को तेज़ करने की आवश्यकता है, और एक समाधान वह है जिसे शोधकर्ता "भावी मॉडलिंग" (प्रेडिक्टिव मॉडलिंग) कहते हैं। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर है जो पर्यावरणीय डेटा के साथ-साथ फसलों के जीनोम अनुक्रमों को संसाधित करता है - मिट्टी के नमूनों से लेकर उपग्रह से मिलने वाली तस्वीरों तक सब कुछ - और फिर डेटा-आधारित दृष्टि को जोड़ता है कि भविष्य में खेत कैसे दिखेंगे। इस कंप्यूटर मॉडल से, शोधकर्ता किसी विशेष स्थान के लिए इष्टतम पौधों की किस्म की पहचान कर सकते हैं। या वे इसके विपरीत भी कर सकते हैं: कोई विशिष्ट फसल उगाने के लिए वांछित स्थान को तैयार करना।

यह तकनीक अभी भी अपने शुरुआती चरण में है, लेकिन इसी तरह के भावी मॉडल हैं - जो यह अनुमान लगाते हैं कि खेतों में कोई आक्रामक प्रजाति या फसल की बीमारी हो सकती है - पहले से ही बड़े परिणाम देखे गए हैं। उदाहरण के लिए, पिछले साल, इथियोपिया के किसानों को चिंता थी कि गेहूँ के रतुआ नामक बीमारी के फैलने से पूरे देश की फसल बर्बाद हो जाएगी, लेकिन एक "प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली" ने किसानों को सचेत किया कि वास्तव में रतुआ कहाँ



गेहूँ प्रशिक्षु मेक्सिको के एल बाटन में अंकुर के जंग के लक्षणों का अध्ययन करते हुए।

© सीआईएमएमवाईटी / एक्स। फ़ोनसेका

फैलेगा ताकि वे निवारक उपाय कर सकें। 2021 के अंत तक, इथियोपिया में गेहूं की फसल में बिल्कुल भी गिरावट नहीं हुई। वास्तव में, यह देश की अब तक की सबसे अधिक मात्रा वाली फसल साबित हुई।

नवाचार, सिर्फ दान नहीं

भूख पूरी तरह से हल हो जाने वाली समस्या नहीं हो सकती है। कोई भी तर्कसंगत रूप से यह वादा नहीं कर सकता है कि दुनिया के आठ अरब मनुष्यों में से प्रत्येक के पास खाने के लिए हमेशा पर्याप्त अनाज होगा। लेकिन यह सुनिश्चित करना कि उप-सहारा अफ्रीका और अन्य निम्न-आय वाले क्षेत्र अपने लोगों को भरपेट खिला सकें? यह एक ऐसी चुनौती है जिसे हल किया जा सकता है, यह इस बात पर निर्भर है कि दुनिया कैसे बदलती है और वह खाद्य संकटों से कैसे निपटती है।

यह अच्छा है कि लोग अपने साथी मनुष्यों को भूख से मरने से रोकना चाहते हैं जब यूक्रेन जैसे संघर्ष खाद्य आपूर्ति में बाधा डालते हैं, लेकिन हमें यह भी पहचानना होगा कि वे संकट एक गहरी समस्या के लक्षण हैं - कई देश अभी तक पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हुए हैं, और जलवायु परिवर्तन खेती को और मुश्किल बना रहा है। उस चुनौती को दान से हल नहीं किया जा सकता है। इसके लिए नवाचार की आवश्यकता है।

डेटा की छानबीन

हर साल, गोलकीपर्स 18 प्रमुख डेटा संकेतकों पर नवीनतम डेटा साझा करता है, जिसमें गरीबी से लेकर मातृ मृत्यु दर से लेकर शिक्षा तक शामिल होती हैं। ये संकेतक हमें वैश्विक लक्ष्यों की दिशा में हमारी उन्नति को समझने में मदद करते हैं - नवाचार और निवेश कहाँ उल्लेखनीय स्थान हासिल कर रहे हैं, और कहाँ हम सामूहिक रूप से लक्ष्य के पीछे रहे हैं। सम्मिलित रूप से यह डेटा हमें याद दिलाता है कि प्रगति संभव है लेकिन अपरिहार्य नहीं है।

डेटा के साथ संवाद करें
इन चार्ट्स का इंटरैक्टिव संस्करण देखने
और मूल डेटा तक पहुँचने के लिए हमारी
वेबसाइट पर जाएं।

<https://gates.ly/GK22Data>



गरीबी



स्टंटिंग, कृषि



मातृ मृत्यु दर, 5 साल से कम उम्र में मृत्यु दर, नवजात मृत्यु दर, एचआईवी, तपेदिक, मलेरिया, उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग, परिवार नियोजन, सार्वभौमिक स्वास्थ्य उपलब्धता (यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज), धूम्रपान, टीकाकरण



शिक्षा



लैंगिक समानता



स्वच्छता



गरीबों के लिए वित्तीय सेवाएं

गरीबी

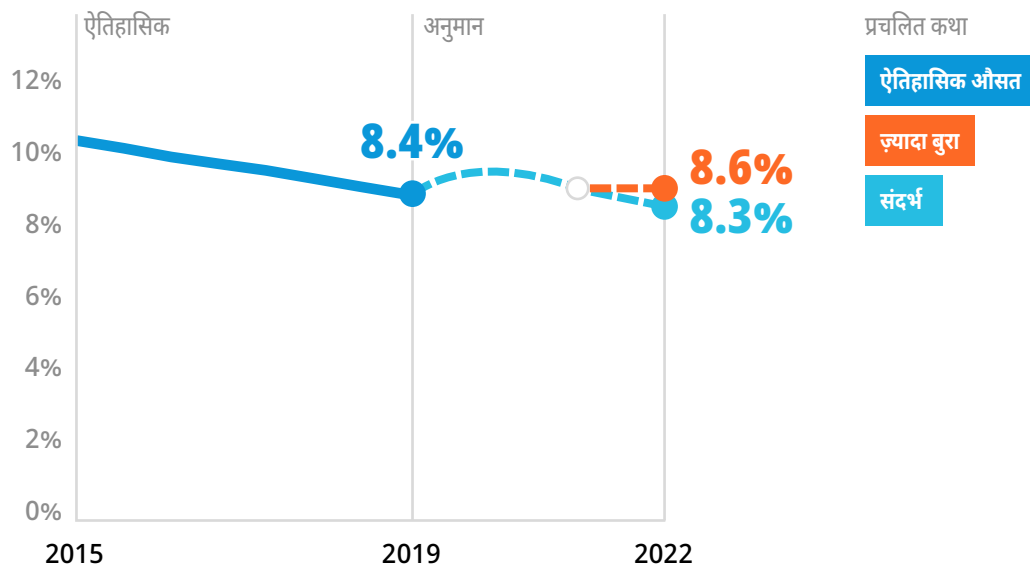


एसडीजी लक्ष्य 1.1

हर संस्थान में सभी लोगों के लिए अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन, जिसका आकलन इस समय प्रतिदिन \$1.25 पर गुज़ारा करने वाले लोगों के रूप में किया जाता है।

दुनिया को आर्थिक विकास और गरीबी में कमी लाने की प्रक्रिया में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कोविड-19 महामारी, संघर्ष, आर्थिक संकट और बाद में खाद्य असुरक्षा के प्रभाव सहित कई वैश्विक समस्याएं उन देशों और क्षेत्रों में गरीबी में कमी के अवसरों को सीमित करते हैं जहाँ गरीबी सबसे अधिक है।

अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा से नीचे (US\$1.90/दिन) की जनसंख्या का प्रतिशत



स्टंटिंग

2 भुखमरी से मुक्ति

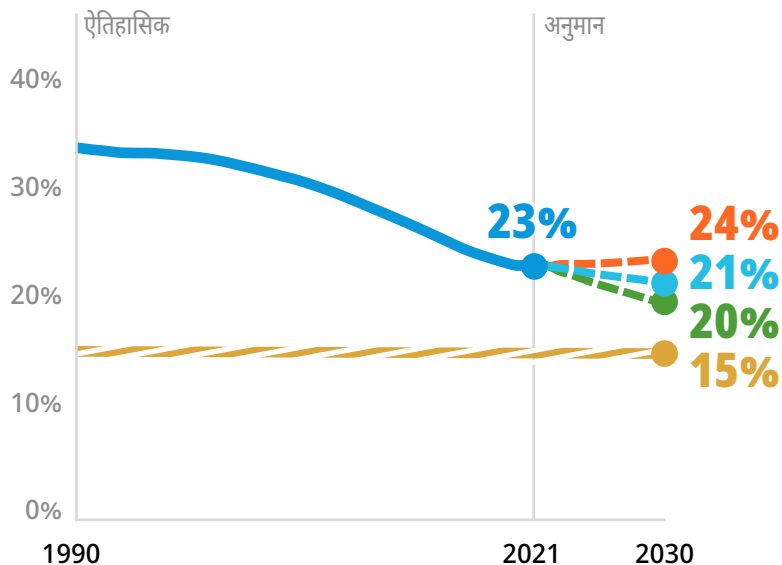


एसडीजी लक्ष्य 2.2

2025 तक पाँच साल से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग और वेस्टिंग पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत लक्ष्यों को प्राप्त करने सहित कुपोषण के सभी प्रारूपों को समाप्त करना और किशोरियों, गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं व अन्य लोगों की पोषण समस्याओं का समाधान करना।

2021 के वैश्विक अनुमान में, 5 वर्ष से कम आयु के 22% बच्चे अविकसित या स्टंटिंग का शिकार थे। 2030 के अनुमान से पता चलता है कि 5 साल से कम उम्र के 21% बच्चे अविकसित होंगे।

5 साल से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग का प्रसार



सूचक

2030 लक्ष्य

ऐतिहासिक औसत

ज़्यादा बुरा

संदर्भ

बेहतर

कृषि

2 भुखमरी से मुक्ति



एसडीजी लक्ष्य 2.3

कृषि उत्पादकता और छोटे पैमाने के खाद्य उत्पादकों, विशेष रूप से महिलाओं, मूल ग्रामीणों, पारिवारिक किसानों, पशुपालकों और मछुआरों की आय को दोगुना करना, अन्य उत्पादक संसाधनों और इनपुट्स, ज्ञान, वित्तीय सेवाओं, बाज़ार और मूल्यवर्धन व गैर-कृषि रोजगार के अवसरों तक सुरक्षित व समान पहुँच सुनिश्चित करना।

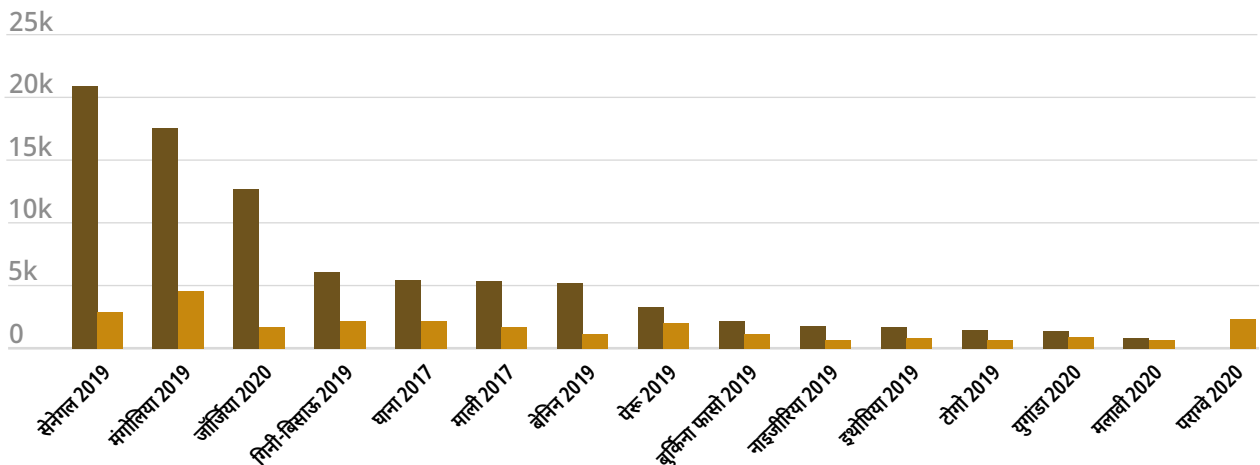
पिछले कई वर्षों में जलवायु परिवर्तन और यूक्रेन में संघर्ष सहित अन्य चुनौतियों के कारण वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर पहले से ही दबाव रहा है, जिसने उत्पादन बढ़ाने पर भी काफी अधिक दबाव डाला है। हम लगातार यह देख रहे हैं कि छोटे भूमि-धारक बड़े पैमाने वाले उत्पादकों से पीछे हैं और उन्हें बड़ी आय और उत्पादकता संकट का सामना करना पड़ता है।

सूचक

बड़े पैमाने पर खाद्य उत्पादक

छोटे पैमाने के खाद्य उत्पादक

औसत वार्षिक आय (यूएस डॉलर)



मातृ मृत्यु दर

3 उत्तम स्वास्थ्य और
खुशहाली

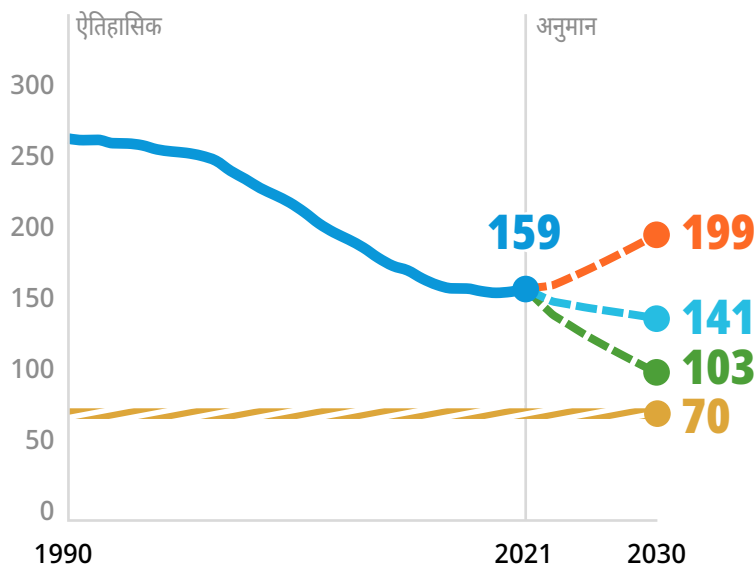


एसडीजी लक्ष्य 3.1

वैश्विक मातृ मृत्यु अनुपात को कम करके प्रति 100,000 जीवित जन्मों पर 70 से कम करना।

वैश्विक स्तर पर हम 2021 में मातृ मृत्यु अनुपात (एम एम आर) में प्रति 100,000 जीवित जन्मों पर 158.8 मृत्यु जबकि 2020 में प्रति 100,000 जीवित जन्मों पर 157.8 मृत्यु की तुलना में बदलाव देखते हैं। इस आधार पर 2030 में प्रति 100,000 जीवित जन्मों पर 140.9 मृत्यु अनुमान है, जो एसडीजी लक्ष्य का दोगुना है। हालांकि, बड़े देशों में एमएमआर में संभावित उप-राष्ट्रीय भिन्नताएं हैं, जो गर्भावस्था और प्रसव के दौरान उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल और जीवन रक्षक हस्तक्षेपों के लिए समान पहुँच सुनिश्चित करने के साथ-साथ एमएमआर के अंतर्निहित कारणों को दूर करने की आवश्यकता पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती हैं। इसके अलावा, हम मानते हैं कि राष्ट्रीय एमएमआर अनुमान अविश्वसनीय हैं, डेटा खराब गुणवत्ता का है, और एमएमआर अनुमान में सुधार के लिए अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता है।

प्रति 100,000 जीवित जन्मों पर मातृ मृत्यु संख्या



सूचक

2030 के लक्ष्य

ऐतिहासिक औसत

ज़्यादा बुरा

संदर्भ

बेहतर

5 वर्ष से कम उम्र में मृत्यु दर

3 उत्तम स्वास्थ्य और
खुशहाली

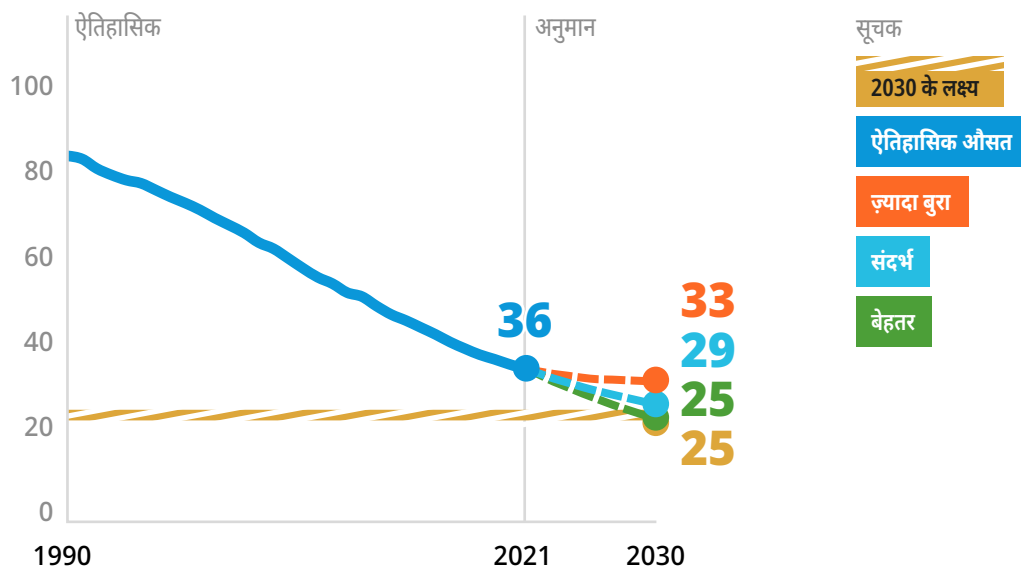


एसडीजी लक्ष्य: 3.2

सभी देशों में नवजात मृत्यु दर को प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 12 तक सीमित करने और पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में 1000 जीवित जन्मों पर 25 तक सीमित करने के लक्ष्य के साथ नवजात शिशुओं और पाँच साल से कम उम्र के बच्चों की रोकी जा सकने वाली मृत्यु को समाप्त करना है।

जबकि वैश्विक स्तर पर अंडर-5 मृत्यु दर में गिरावट जारी है, लेकिन संचारी और संक्रामक रोग मृत्यु का प्रमुख कारण बने हुए हैं।

प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु



नवजात मृत्यु दर

3 उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली

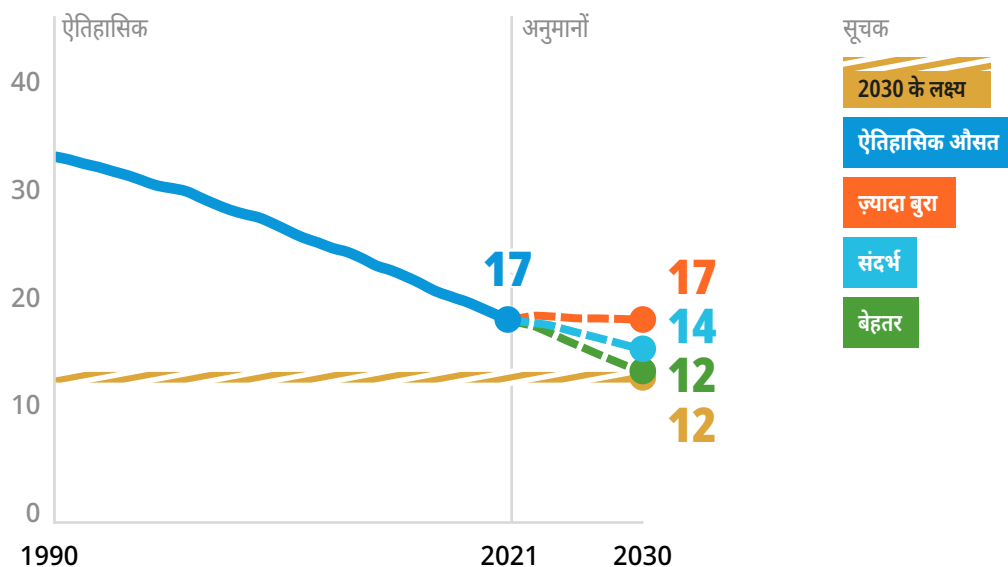


एसडीजी लक्ष्य 3.2

सभी देशों में नवजात मृत्यु दर को प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 12 तक सीमित करने और पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में 1000 जीवित जन्मों पर 25 तक सीमित करने के लक्ष्य के साथ नवजात शिशुओं और पाँच साल से कम उम्र के बच्चों की रोकी जा सकने वाली मृत्यु को समाप्त करना है।

5 वर्ष से कम आयु की मृत्यु में एक बड़ी मात्रा (लगभग आधा) नवजात अवधि के दौरान होती है। विश्व स्तर पर, समय से पहले जन्म और जन्म संबंधी जटिलताएं (जन्म श्वासावरोध और जन्म आघात), निमोनिया, दस्त और मलेरिया 5 साल से कम उम्र के बच्चों की रोकथाम योग्य मृत्यु के प्रमुख कारण बने हुए हैं, जो इस बात को उजागर करते हैं कि बच्चे स्वास्थ्य प्रणालियों के आघातों और व्यवधानों के प्रति कितने संवेदनशील हैं। 2021 में नवजात मृत्यु दर का वैश्विक अनुमान प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 17.3 मृत्यु है, जो 2020 के अनुमान के समान है। इस के आधार पर 2030 में प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 14.3 मृत्यु का अनुमान लगाया गया है, जो एसडीजी लक्ष्य से कम है।

प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर नवजात मृत्यु संख्या



सूचक

2030 के लक्ष्य

ऐतिहासिक औसत

ज्यादा बुरा

संदर्भ

बेहतर

एचआईवी(HIV)

3 उत्तम स्वास्थ्य और
खुशहाली

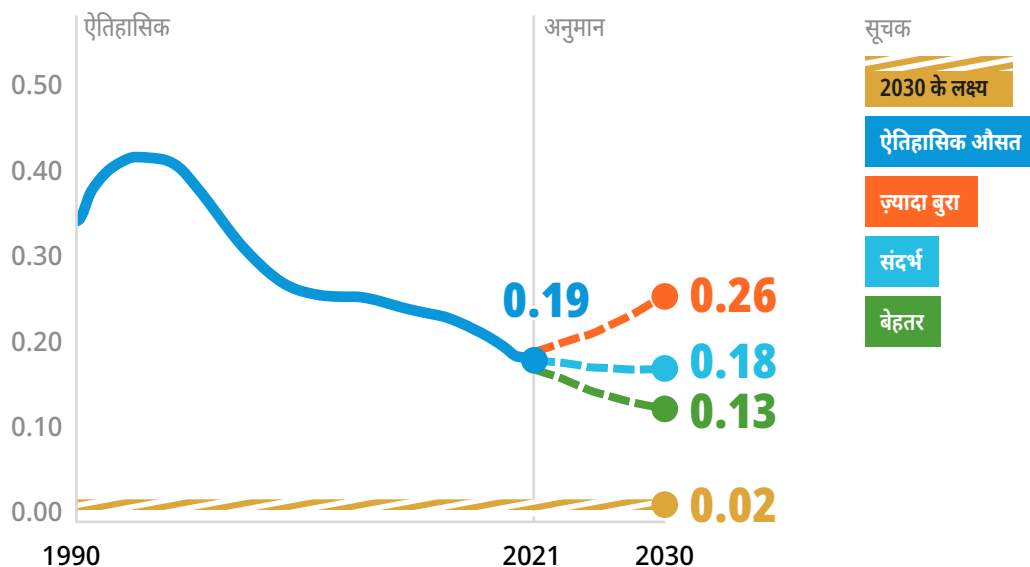


एसडीजी लक्ष्य 3.3

एड्स, तपेदिक, मलेरिया और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों महामारियों को समाप्त करना और हेपेटाइटिस, जल-जनित रोगों व अन्य संचारी रोगों का मुकाबला करना।

एचआईवी/एड्स के खिलाफ लड़ाई में लगातार प्रगति करने के लिए, हमें प्रभावी एचआईवी उपचार उपलब्ध कराने के साथ-साथ जीवनरक्षक रोकथाम विकल्पों तक व्यापकत पहुँच का उपयोग करना चाहिए।

प्रति 1,000 लोगों पर एचआईवी के नए मामले



तपेदिक (क्षय रोग)

3 उत्तम स्वास्थ्य और
खुशहाली

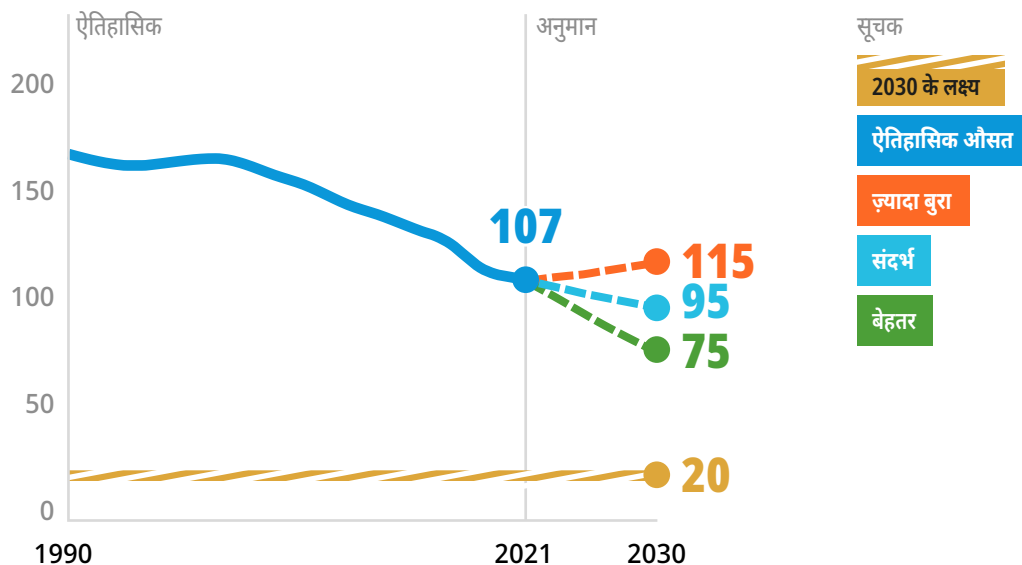


एसडीजी लक्ष्य 3.3

एड्स, तपेदिक, मलेरिया और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की महामारियों को समाप्त करना और हेपेटाइटिस, जल-जनित रोगों व अन्य संचारी रोगों का मुकाबला करना।

वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि हम 2030 तक तपेदिक को समाप्त करने की राह पर अग्रसर नहीं हैं। बेहतर प्रगति करने के लिए, अधिक लोगों तक प्रभावी उपचार पहुँचाने की आवश्यकता है, और हमें नए टीबी संक्रमण के मामलों की पहचान करने की आवश्यकता है जो महामारी के दौरान छूट गए हैं।

प्रति 100,000 लोगों पर तपेदिक के नए मामले



मलेरिया

3 उत्तम स्वास्थ्य और
खुशहाली

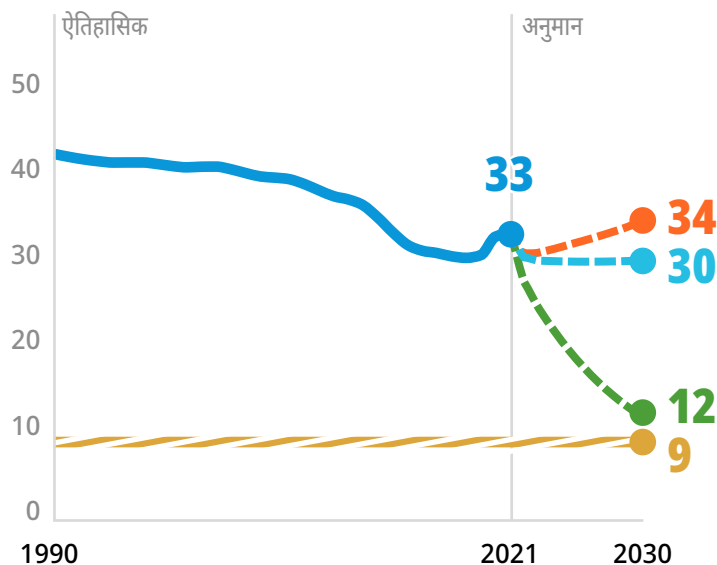


एसडीजी लक्ष्य 3.3

एड्स, तपेदिक, मलेरिया और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग से जुड़ी महामारियों को समाप्त करना और हेपेटाइटिस, जल जनित रोगों और अन्य संचारी रोगों का मुकाबला करना।

यदि दानकर्ता और मलेरिया से जूझ रहे देश अभी अपने निवेश को बढ़ाते हैं और कोविड-19 के बावजूद भी मलेरिया को प्राथमिकता देते हैं तो हम मलेरिया के उपचार और रोकथाम के लिए नवाचारों को प्रस्तुत करने, मलेरिया के मामलों में तेजी से कमी लाने और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने में सक्षम होने की कगार पर हैं।

प्रति 1,000 लोगों पर मलेरिया के नए मामले



सूचक

2030 के लक्ष्य

ऐतिहासिक औसत

ज़्यादा बुरा

संदर्भ

बेहतर

उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग

3 उत्तम स्वास्थ्य और
खुशहाली

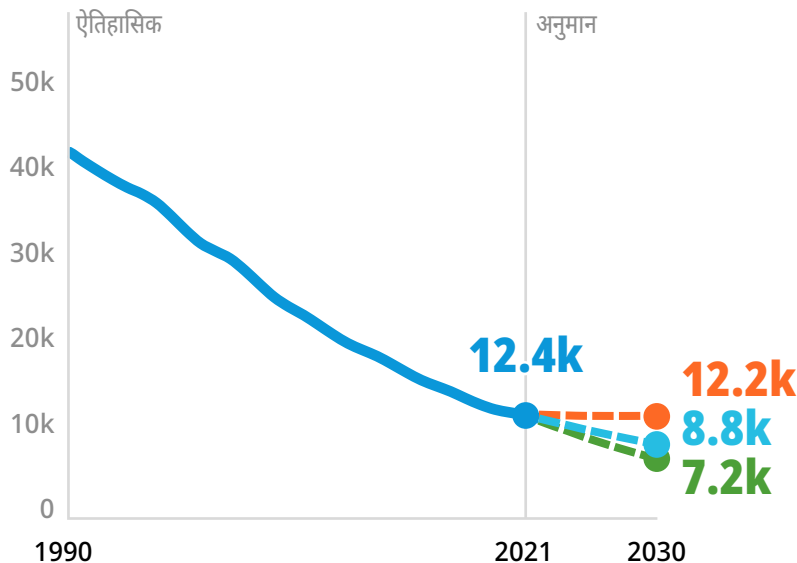


एसडीजी लक्ष्य 3.3

एड्स, तपेदिक, मलेरिया और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की महामारियों को समाप्त करना और हेपेटाइटिस, जल-जनित रोगों व अन्य संचारी रोगों का मुकाबला करना।

15 उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारियों (एनटीडी) के लिए 2021 का वैश्विक अनुमान प्रति 100,000 लोगों पर 12,375 मामले का था और 2030 के लिए यह प्रति 100,000 लोगों पर 8,850 मामलों तक अनुमानित है।

प्रति 100,000 लोगों पर 15 एनटीडी का प्रसार



परिवार नियोजन

3 उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली

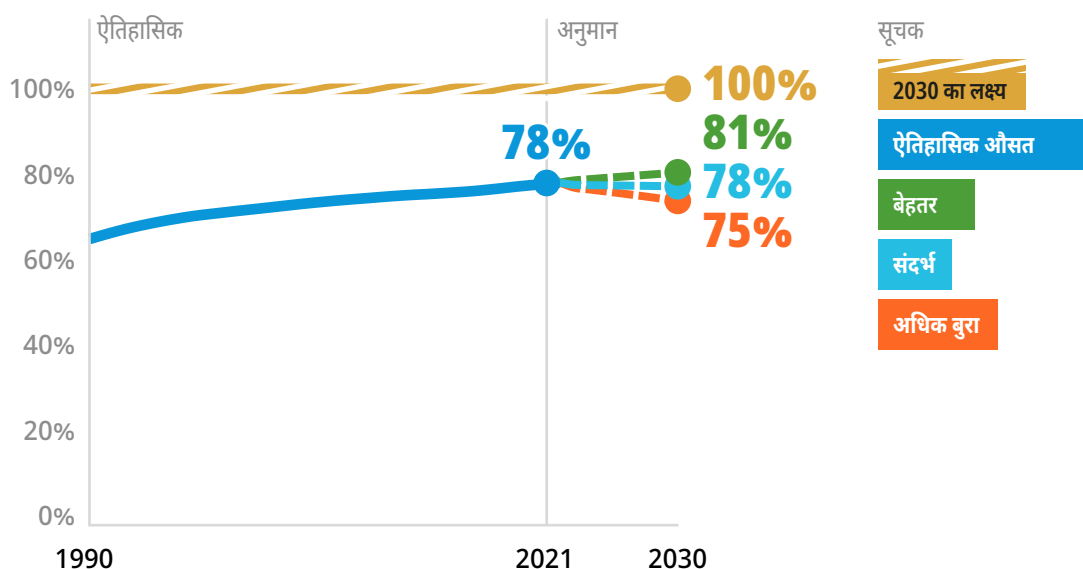


एसडीजी लक्ष्य 3.7

परिवार नियोजन, सूचना और शिक्षा, और राष्ट्रीय रणनीतियों और कार्यक्रमों में प्रजनन स्वास्थ्य के एकीकरण सहित, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना।

2021 के वैश्विक अनुमान से पता चला है कि 15-49 आयु वर्ग की 78.4% महिलाओं ने परिवार नियोजन की ज़रूरतें आधुनिक तरीकों से पूरी की थीं। 2030 के अनुमान से पता चलता है कि 15-49 वर्ष की 77.9% महिलाओं की परिवार नियोजन की ज़रूरतें आधुनिक तरीकों से पूरी होंगी।

प्रजनन आयु वाली महिलाओं का प्रतिशत (15-49) जो आधुनिक तरीकों से परिवार नियोजन की आवश्यकता को पूरा करना चाहती हैं



सार्वभौमिक स्वास्थ्य उपलब्धता (यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज)

3 उत्तम स्वास्थ्य और
खुशहाली

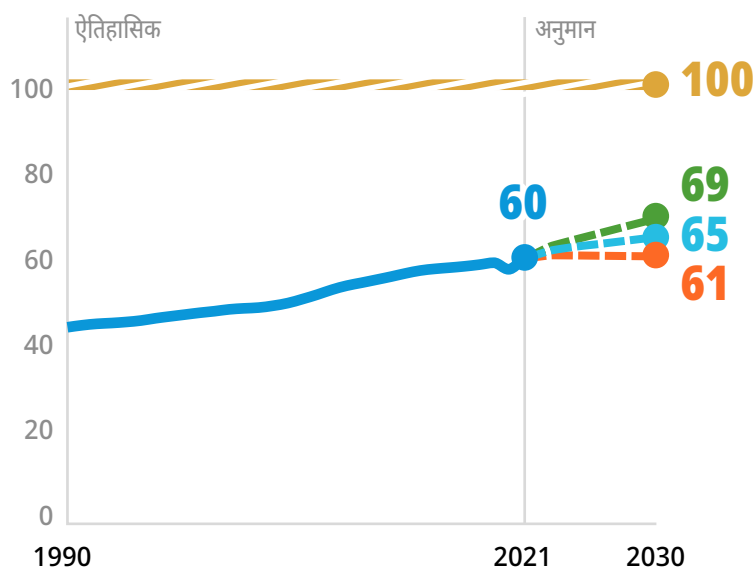


एसडीजी लक्ष्य 3.8

सभी के लिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य उपलब्धता प्राप्त करना, जिसमें वित्तीय जोखिम संरक्षण, गुणवत्तापूर्ण आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक पहुँच और सभी के लिए सुरक्षित, प्रभावी, गुणवत्ता और सस्ती आवश्यक दवाओं और टीकों तक पहुँच शामिल है।

यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज इंडेक्स एक प्रमुख और प्रारंभिक संकेतक है जो यह दर्शाता है कि कोविड के कारण प्रगति में रुकावट आई है। 2020 में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के कवरेज में गिरावट के बावजूद, स्वास्थ्य प्रणालियों ने लचीलापन दिखाया है और 2021 से प्रगति की दीर्घकालिक प्रवृत्तियाँ जारी रखी हैं।

यूएससी प्रभावी कवरेज इंडेक्स का प्रदर्शन



सूचक

2030 का लक्ष्य

ऐतिहासिक औसत

बेहतर

संदर्भ

अधिक बुरा

धूम्रपान

3 उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली

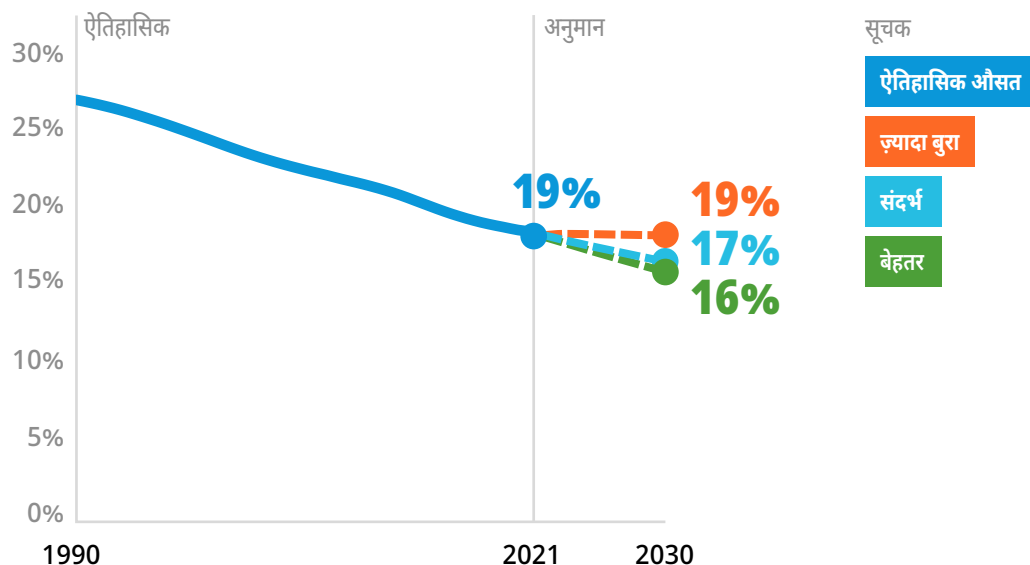


एसडीजी लक्ष्य 3.A

सभी देशों में तंबाकू नियंत्रण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन फ्रेमवर्क कन्वेंशन के कार्यान्वयन को लागू करना और मजबूत बनाना।

अनुमान बताते हैं कि 2030 में वैश्विक धूम्रपान प्रसार 19.1% (2021) से घटकर 17.1% हो सकता है। तंबाकू नियंत्रण पर WHO फ्रेमवर्क कन्वेंशन के अनुरूप कई सरकारों स्वास्थ्य और आजीविका प्रभाव अनुभव कर रही हैं जो मजबूत तंबाकू नियंत्रण नीति के कारण आया है। अफ्रीका में, उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जैसे कि बोत्सवाना ने व्यापक 2021 तंबाकू नियंत्रण विधेयक को अपनाया है। 2021 WHO टोबैको ट्रेंड्स रिपोर्ट के अनुसार, 25 अफ्रीकी देश 2010 से 2025 तक तंबाकू के उपयोग के प्रसार में 30% कमी करने के लक्ष्य को पूरा करने या उससे अधिक आगे बढ़ने की राह पर हैं।

15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों में आयु-मानकीकृत धूम्रपान का प्रचलन



टीके

3 उत्तम स्वास्थ्य और
खुशहाली



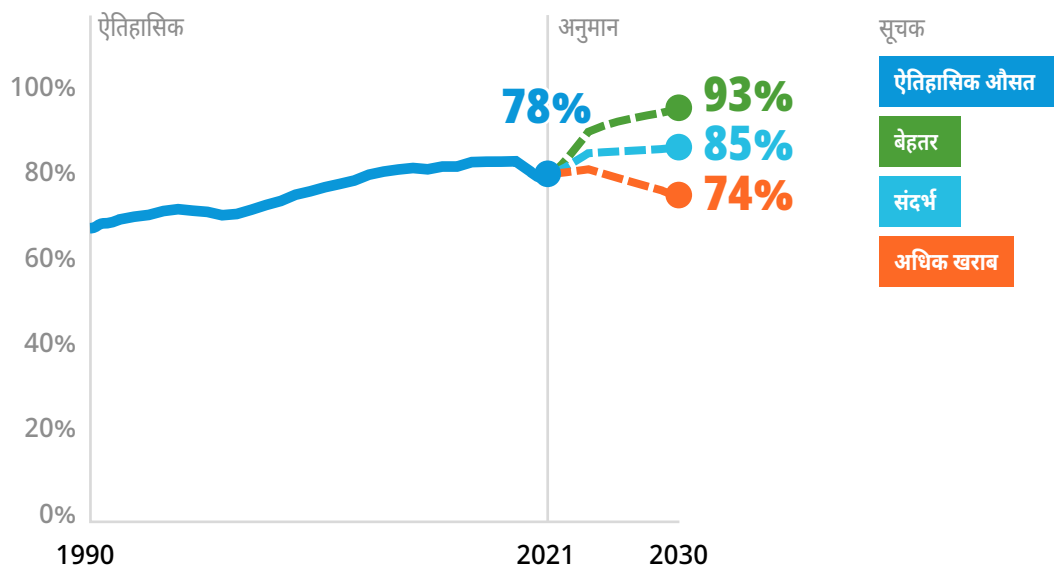
एसडीजी लक्ष्य 3.B

मुख्य रूप से विकासशील देशों को प्रभावित करने वाले संचारी और गैर-संचारी रोगों के लिए टीकों और दवाओं के अनुसंधान और विकास में सहयोग करना; ट्रिप्स समझौते और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर दोहा घोषणा के अनुसार सस्ती आवश्यक दवाओं और टीकों तक पहुँच प्रदान करना, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए लचीलापन के संबंध में विकासशील देशों के बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधित पहलुओं पर समझौते के प्रावधानों को पूर्ण रूप से उपयोग करने के अधिकार की पुष्टि करता है और, विशेष रूप से, सभी के लिए दवाओं तक पहुँच प्रदान करता है।

वर्तमान में हम कोविड-19-संबंधित मुद्दों की एक शृंखला, संघर्ष और नाजुक स्थितियों में रहने वाले लोगों की बढ़ती संख्या और भ्रामक सूचनाओं में वृद्धि के कारण नियमित टीकाकरण और अन्य जीवन रक्षक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बड़ी रुकावटों का सामना कर रहे हैं। कई टीकाकरण कार्यक्रमों को भी कोविड-19 टीकों को पेश करते हुए छोटे हुए बच्चे के टीकाकरण को वापिस पटरी पर लाने की चुनौती का सामना करना पड़ता है।

ये चल रहे व्यवधान सभी टीकों के लिए वैश्विक, समान पहुँच सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित करते हैं, सरकारों, नागरिक समाज और अन्य लोगों को अभिनव समाधानों की पहचान करने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं। दुनिया भर में लाखों लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण इस पर निर्भर करता है।

डीटीपी का कवरेज (तीसरी खुराक)



सूचक

ऐतिहासिक औसत

बेहतर

संदर्भ

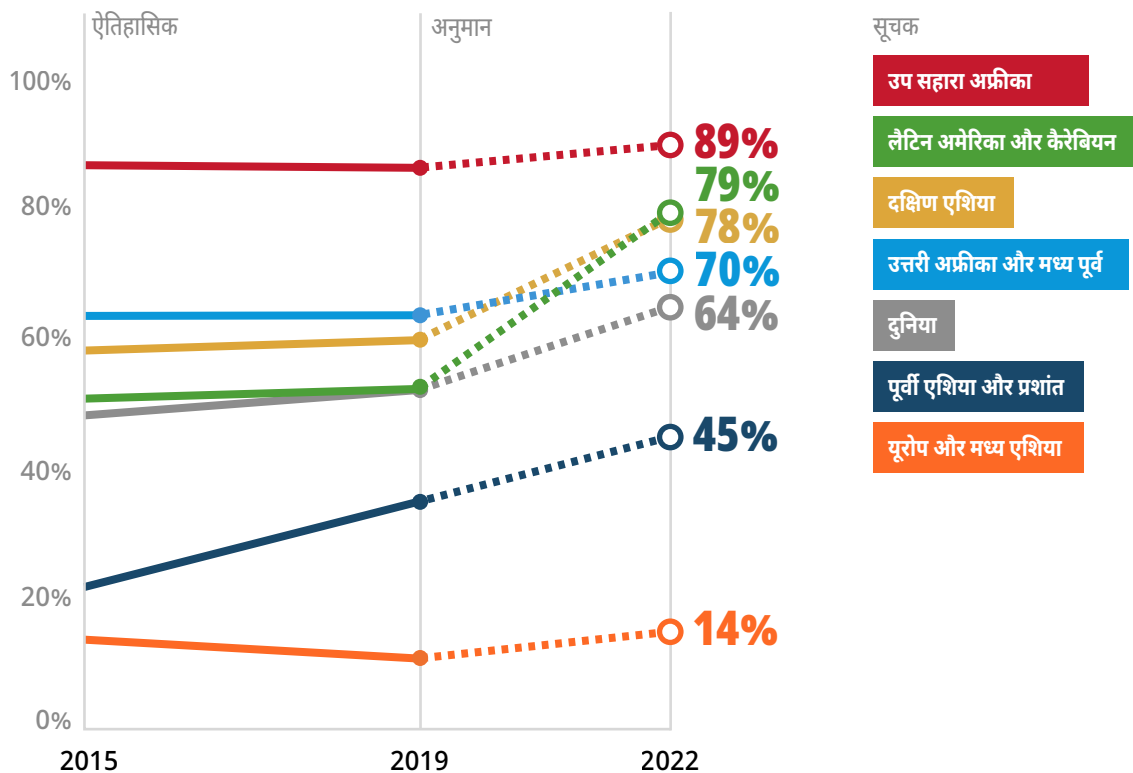
अधिक खराब

सीखने की दरिद्रता

सीखने की दरिद्रता उन बच्चों के अनुपात का आकलन करती है जो 10 साल की उम्र तक एक साधारण पाठ को पढ़ और समझ नहीं सकते हैं। कोविड-19 महामारी से पहले, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सीखने की दरिद्रता की दर पहले से ही 57% थी। 2022 की स्थिति से पता चलता है कि अब निम्न और मध्यम आय वाले देशों में यह 70% है।

वैश्विक स्तर पर और क्षेत्र के अनुसार 2015 और 2019, 2022 अनुमानों के साथ सीखने में अक्षमता (लर्निंग पॉवर्टी)

प्राथमिक शिक्षा के समाप्त होने की आयु पर, स्कूल से बाहर के बच्चों द्वारा समायोजित न्यूनतम पठन दक्षता का हिस्सा



लैंगिक समानता



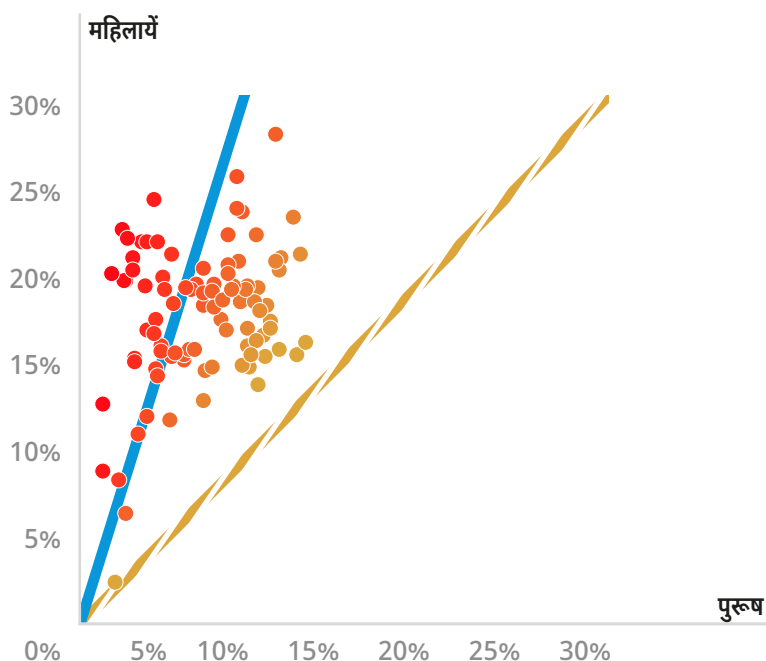
एसडीजी लक्ष्य 5.4

सार्वजनिक सेवाओं, बुनियादी ढाँचे, और सामाजिक सुरक्षा नीतियों के प्रावधान व राष्ट्रीय स्तर पर घर और परिवार के भीतर साझा ज़िम्मेदारी को बढ़ावा देने के माध्यम से अवैतनिक देखभाल और घरेलू काम को मान्यता देना और उसे महत्व देना।

वैश्विक स्तर पर, महिलाएं घरेलू और देखभाल कार्य करने वाले पुरुषों की तुलना में 3.2 गुना अधिक घंटे लगाती हैं, जिसमें पुरुषों और महिलाओं के बीच सबसे बड़ा अंतर औसतन उत्तरी अफ्रीकी और पश्चिम एशियाई देशों में है। भारत को शामिल करने पर नवीनतम आँकड़ों, ने मध्य एशिया और दक्षिण एशिया में अवैतनिक देखभाल कार्य अनुपात को 4.5 से बढ़ाकर 5.0 कर दिया है और वैश्विक औसत 2021 से 2022 में थोड़ा और बढ़ गया है।

लैंगिक समानता के लिए वैश्विक प्रगति

लिंग और क्षेत्र के अनुसार अवैतनिक घरेलू और देखभाल कार्य



सूचक

प्रत्येक ● एक देश का प्रतिनिधित्व करता है

लैंगिक समानता से विचलन

उच्च कम

लक्ष्य (1:1)

वैश्विक औसत (3.2:1)

स्वच्छता

6 स्वच्छ जल और साफ-सफाई



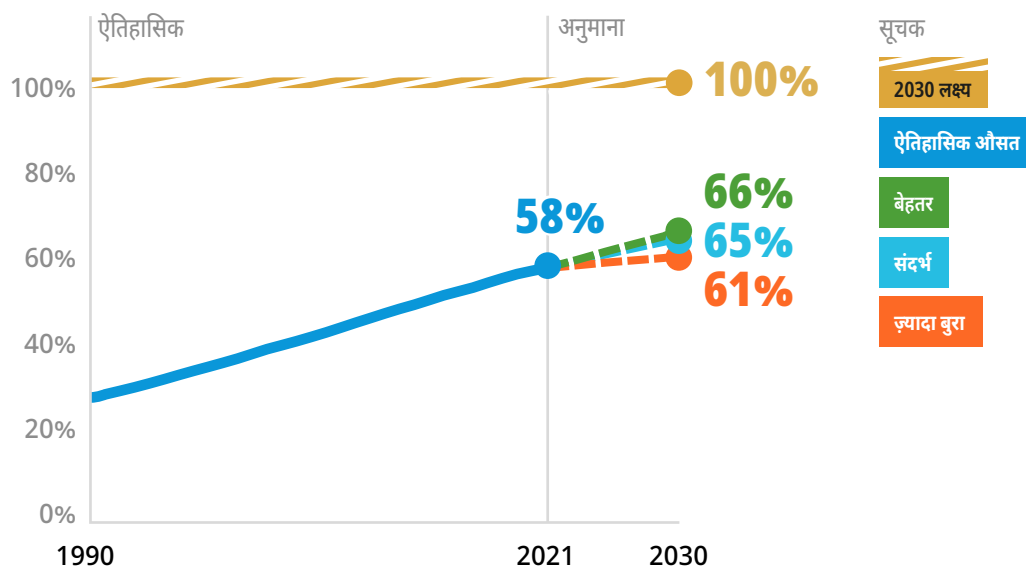
एसडीजी लक्ष्य 6.2

महिलाओं व लड़कियों और कमजोर परिस्थितियों में रहने वाले लोगों पर विशेष ध्यान देते हुए सभी के लिए पर्याप्त और समान स्वच्छता और आरोग्यता हासिल करना और खुले में शौच को समाप्त करना।

हालांकि सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों (एमडीजी) में केवल शौचालयों तक पहुँच पर ध्यान केंद्रित रहा, वहीं एसडीजी ने “सुरक्षित रूप से प्रबंधित” स्वच्छता के लिए एक नया संकेतक स्थापित किया है, जिसमें बेहतर शौचालय सुविधाओं के साथ और यह सुनिश्चित करना शामिल है कि मलमूत्र का सुरक्षित निपटान किया जाता है। सुरक्षित निपटान का एक तरीका किसी स क्रियअपशिष्ट जल प्रशोधन योजना का सीवर कनेक्शन है, लेकिन सुरक्षित रूप से कचरे का प्रबंधन करने के लिए अन्य कम लागत वाली प्रौद्योगिकियां भी मौजूद हैं या विकसित की जा रही हैं। इस नए उपाय पर प्रगति की निगरानी की जानकारी अपूर्ण बनी हुई है, लेकिन पहली बार सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता को अनुमानित करने के लिए इस वर्ष की रिपोर्ट के लिए उपलब्ध डेटा की मात्रा पर्याप्त रूप से बढ़ी है।

परिवर्तन की वर्तमान गति से यह संकेत मिलता है कि 2030 तक सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता तक सार्वभौमिक पहुँच के एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त करने में दुनिया काफी देरी से काम कर रही है।

सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता का उपयोग करने वाली जनसंख्या की व्यापकता



गरीबों के लिए वित्तीय सेवाएं

8 उत्कृष्ट श्रम और आर्थिक विकास

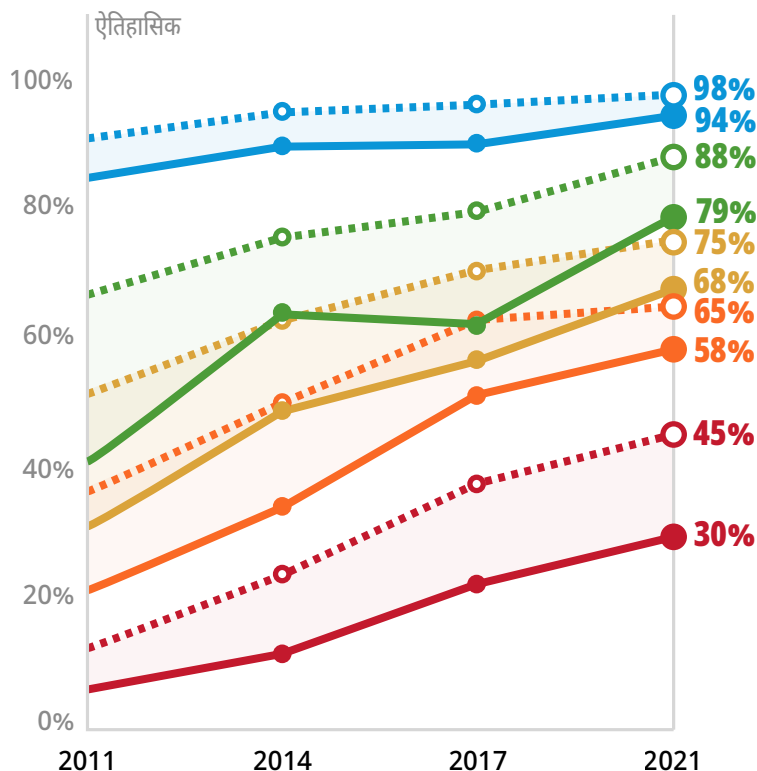


एसडीजी लक्ष्य 8.A

सभी के लिए बैंकिंग, बीमा और वित्तीय सेवाओं तक पहुँच को प्रोत्साहित और विस्तारित करने के लिए घरेलू वित्तीय संस्थानों की क्षमता को मजबूत करना।

पिछले दशक में, दुनिया ने वित्तीय समावेशन के विस्तार में तीव्रता से प्रगति की है। विश्व स्तर पर, 76% वयस्कों के पास अब वित्तीय खाता है, जो एक दशक पहले 51% के पास था। विकासशील देशों में, 71% वयस्कों के पास अब बैंक खाता है, जो पिछले दशक की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि खाते के स्वामित्व में लैंगिक अंतर कम हो रहा है: विकासशील देशों में, यह 2017 में 9-प्रतिशत के अंतर से 2021 में 6-प्रतिशत के अंतर पर आ गया।

बैंक खाते वाले वयस्क, सबसे गरीब और सबसे अमीर



सूचक

उच्च आय वाले देश

उच्च-मध्यम आय वाले देश

मध्यम आय वाले देश

निम्न-मध्यम आय वाले देश

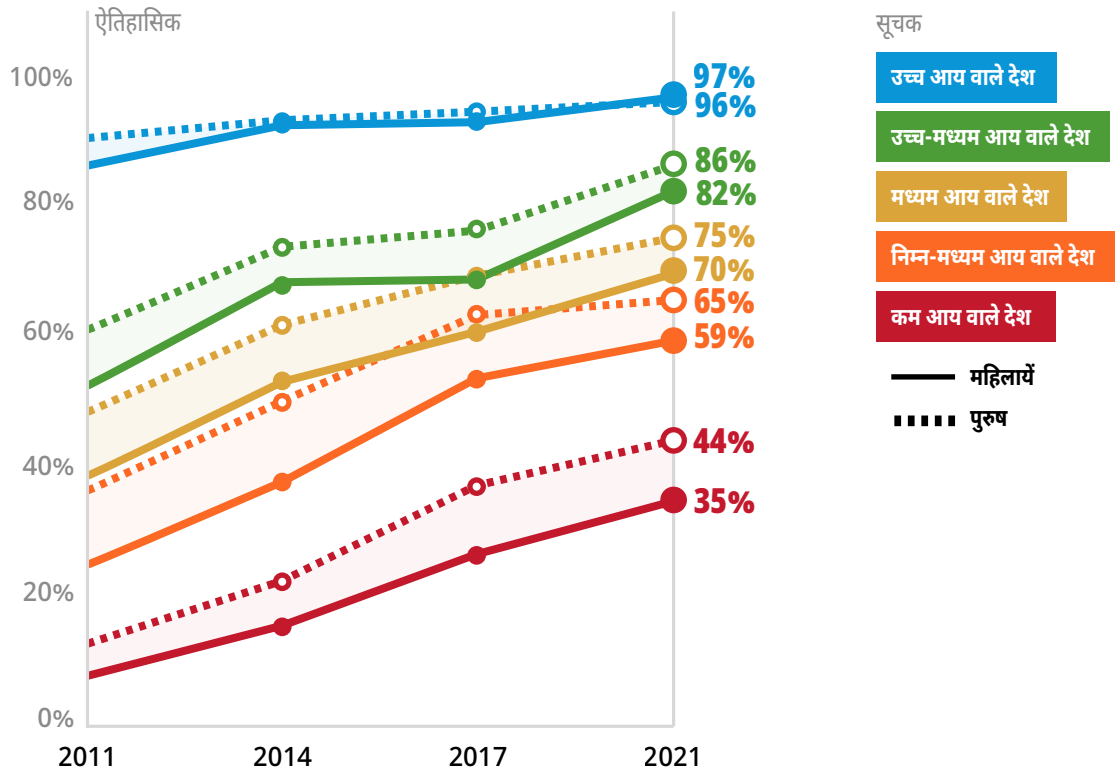
कम आय वाले देश

— सबसे गरीब

..... सबसे अमीर

महत्वपूर्ण बात यह है कि खाते के स्वामित्व में लैंगिक अंतर कम हो रहा है: विकासशील देशों में, यह 2017 में 9-प्रतिशत के अंतर से 2021 में 6-प्रतिशत के अंतर पर आ गया।

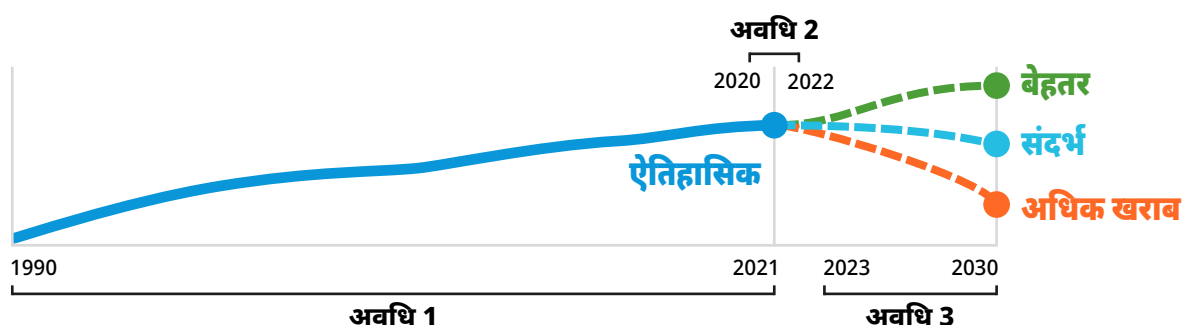
बैंक खाते वाले वयस्क, महिलाएं और पुरुष



कार्यप्रणाली

हमारे प्राथमिक डेटा पार्टनर, इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (IHME) ने कई साझेदारों के साथ मिलकर काम किया और समकालीन अनुमानों का एक सेट तैयार करने के लिए नवाचार विधियों का इस्तेमाल कर एसडीजी के अनुसार वैश्विक प्रगति पर महामारी के प्रभाव की गणना की है।

यह रेखाचित्र आईएचएमई की तीन-भागों वाली प्रक्रिया और प्रत्येक में उपयोग किए जाने वाले डेटा और विधियों का एक उदाहरण प्रस्तुति करता है।



अवधि 1, 1990-2021

यह दुनिया भर के हजारों स्रोतों से तैयार किया गया ऐतिहासिक डेटा है, जो प्रकाशित प्रमाणों पर आधारित है जिसे वैश्विक स्वास्थ्य शोधकर्ताओं द्वारा जाँचा और परखा गया है।

अवधि 2, 2020-2022

यह महामारी से प्रभावित बाधित अवधि है, और डेटा की अनिश्चितता और तात्कालिकता को देखते हुए आकलन की जाने वाली सबसे चुनौतीपूर्ण अवधि है। यहाँ आईएचएमई सर्वेक्षण से एकत्रित समकालीन डेटा, आबादी के गतिशीलता आंकड़ों, सरकारों और डब्ल्यूएचओ से मिले प्रशासनिक डेटा, और कोविड-19 केस डेटा का उपयोग कर रहा है ताकि यह आकलन किया जा सके कि 2020 से 2022 तक वैश्विक लक्ष्यों पर महामारी से होने वाली रुकावटों ने प्रगति को कैसे प्रभावित किया है।

अवधि 3, 2023-2030

अतीत का उपयोग करते हुए, यह भविष्य का अनुमान लगाने का प्रयास कर रहा है। आईएचएमई ने इस पर नज़र डाली है कि आर्थिक वृद्धि और विकास की प्रगति ने अतीत में इन इंडीकेटर्स (संकेतकों) को कैसे प्रभावित किया है और फिर भविष्य के लिए संभावित प्रवृत्तियों का अनुमान लगाया है। इसलिए, यदि सभी देश प्रगति करते हैं और साथ ही सर्वश्रेष्ठ ऐतिहासिक प्रदर्शनकर्ता देश (शीर्ष 15%) भी ऐसा ही करते हैं, तो संकेतक हरी रेखा का अनुसरण करेंगे। लेकिन अगर विकास के प्रवृत्ति सबसे खराब प्रदर्शन करने वालों के अनुरूप हैं, तो संकेतक लाल रेखा का अनुसरण करेंगे।

स्रोत एवं टिप्पणियाँ

2022 गोलकीपर्स रिपोर्ट में दिखाए गए तथ्यों और आंकड़ों के डेटा स्रोत यहां अनुभाग के अनुसार सूचीबद्ध किए गए हैं। अप्रकाशित विश्लेषणों के लिए संक्षिप्त कार्यप्रणाली नोट्स शामिल किए गए हैं। पूर्ण उद्धरण, स्रोत सामग्री के लिंक, और अतिरिक्त संदर्भ गोलकीपर्स वेबसाइट <https://gates.ly/GK22DataSources> पर देखे जा सकते हैं।

भूमिका

इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) ने इस रिपोर्ट में तीन समय अंतरालों के लिए उनके द्वारा निगरानी किए गए प्रत्येक स्वास्थ्य संकेतक के लिए परिवर्तन की वार्षिक दर की गणना की: संदर्भ परिदृश्य पूर्वानुमान द्वारा लगाये गए अनुमान के अनुसार 2015 से 2021 तक, 2021 से 2030 तक, और 2021 और 2030 के बीच एसडीजी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आवश्यक परिवर्तन की संभावित दर। हमने इन परिवर्तन दरों की तुलना यह आंकलन करने के लिए की कि एसडीजी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हमारी पिछली और अपेक्षित प्रगति का मूल्यांकन कैसे किया जाये। आईएचएमई के साथ हम जिन अधिकांश संकेतकों पर नज़र रखते हैं, उनके लिए 2030 तक लक्ष्य को पूरा करने के लिए, परिवर्तन की गति को कम से कम पांच गुना बढ़ाने की ज़रूरत है।

एचआईवी/एड्स महामारी में प्रगति की ओर एक नाटकीय बदलाव

यूएनएड्स, 2022, एड्स संबंधित मौतों के रूझान, 2000-2022 [डेटा सेट] एड्सइन्फो.अगस्त, 2022 में प्राप्त किए गए। <https://aidsinfo.unaids.org/>

वैश्विक कोष (2021) एड्स संबंधित मौतों के रूझान(आकांड़े). परिणाम रिपोर्ट 2021 में (पृष्ठ 25) अगस्त, 2022 में प्राप्त किए गए। <https://www.theglobalfund.org/en/results/#download>

लैंगिक समानता सशक्त महिलाओं पर निर्भर करती है, न कि केवल "सशक्तिकरण" पर

यूएन वूमैन (14 जून, 2022)। क्या हम 2030 तक लैंगिक समानता हासिल करने की राह पर हैं? <https://data.unwomen.org/features/are-we-track-achieve-gender-equality-2030>

लैंगिक समानता का अनुमान ईक्वल मैजर्स 2030 (EM2030) सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोलस जेंडर इंडेक्स (SDG Gender Index) के आंकड़ों पर आधारित है। यूरोपीय आयोग के कम्प्रीटेंस सेंटर ऑन कंपोजिट इंडिकेटर एंड स्कोरबोर्ड (JRC-COIN) द्वारा 2022 SDG जेंडर इंडेक्स का एक स्वतंत्र अंकेक्षण किया गया था। टिप्पणी: डेटा में, लैंगिक समानता तक पहुँचने के लिए अनुमानित वर्ष के मामले में यह मानता है कि: (i) 2021 में वैश्विक मापित प्रगति दर 2021, 2030 तक बनी रहेगी; और (ii) एक पीढ़ी की अवधि लगभग 28 वर्ष की होती है।

ए. हॉके और ईक्वल मैजर्स 2030 'बैक टू नॉर्मल' काफी नहीं है: 2022 एसडीजी जेंडर इंडेक्स। EM30. <https://www.equalmeasures2030.org/wp-content/>

uploads/2022/03/SDG-index_report_FINAL_EN.pdf

यूरोपीय आयोग, संयुक्त अनुसंधान केंद्र, जी.केपर्ना, एम. कोवैसिक और ई.पापाडिमिट्रियोयू। *JRC statistical audit of the Equal Measures 2030 SDG Gender Index 2022*. लाज़मबर्ग : यूरोपीय यूनियन का प्रकाशन कार्यालय।

कोविड-19 के आर्थिक दुष्प्रभाव

अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर संगठन। (आईएलओ)। (2022, फरवरी) रोजगार में लैंगिक अंतर: महिलाओं को क्या रोक रहा है? <https://www.ilo.org/infostories/en-GB/Stories/Employment/barriers-women#intro> अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर संगठन। (आईएलओ)। (मई, 2022)। आईएलओ काम की दुनिया पर नज़र रखें. (9th ed.) https://www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/-/dgreports/-/dcomm/-/publ/documents/publication/wcms_845642.pdf

अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर संगठन (आईएलओ)। (2022)। लिंग और उम्र के आधार पर बेरोजगारी दर — आईएलओ मॉडल अनुमान [डेटा सेट]। आईएलओस्टैट (ILOSTAT) जुलाई 2022 में जारी। <https://ilostat.ilo.org/data/>

वर्ल्ड बैंक ग्रुप (2022)। महिला, व्यापार और कानून 2022। <https://doi.org/10.1596/978-1-4648-1817-2>. लाइसेंस: 3.0 IGO द्वारा क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन CC

पैसा होने और इसे खर्च करने में सक्षम होने के बीच का अंतर

यू जेंटलिनी (13 जुलाई, 2022)। इतिहास में नकदी हस्तांतरण की सबसे बड़े पैमाने पर वृद्धि से दस सबक। विश्व बैंक ब्लॉग: विकास की बात करते हैं। <https://blogs.worldbank.org/developmenttalk/ten-lessons-largest-scale-cash-transfers-history>

एल. अल्फ्रेस, सी. ब्राहम, एम.अ. चैन, ई. ग्रासपा, जे. हार्व, जी. इस्माइल, ए.सी. ओगेंडो, एस.ओ. रीड, एस. रोएवर, एम. रोगल, एम. सिन्हा, सी. स्किनर, और एम. वाल्दीविया (2022)। कोविड-19 और 11 शहरों में अनौपचारिक कार्य: निरंतर संकट के बीच वसूली के रास्ते (WIEGO वर्किंग पेपर नंबर 43) अनौपचारिक रोजगार में महिलाएं: वैश्विक और संगठनात्मक (WIEGO). <https://www.wiego.org/publications/covid-19-and-informal-work-11-cities-recovery-pathways-amidst-continued-crisis>

ई. रिले (2020). मोबाइल मनी का उपयोग कर घर में सामाजिक दबाव का विरोध करना: युगांडा में सूक्ष्म उद्यम निवेश पर प्रायोगिक साक्ष्य (CSAE वर्किंग पेपर शृंखला संख्या WPS/2022-04). (एस क्विन, एड.)। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ अफ्रीकन इकोनॉमिक्स (CSAE), यूनिवर्सिटी

ऑफ ऑक्सफोर्ड। 2022-04(04). https://ora.ox.ac.uk/objects/uuid:b7ed6a67-88a9-4714-a419-b4c43decc7e8/download_file?file_format=&safe_filename=Riley_2022_Resisting_social_pressure.pdf&type_of_work=Working+paper

जे.सी. अकेल, आर. बोमनीजेल, ए. मैकेलैंड और एन. टिर्नी (2016)। भुगतान तंत्र और गरीबीरोधी कार्यक्रम: नाइजर में मोबाइल मनी नकदी हस्तांतरण प्रयोग। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक परिवर्तन, 65(1), 1-37. <https://doi.org/10.1086/687578>

ए.डैमिरगक-कुंट, एल. क्लैपर, डी सिंगर, और एस. अंसार(2022). ग्लोबल फाइंडेक्स डेटाबेस 2021: वित्तीय समावेशन, डिजिटल भुगतान, और कोविड-19 के युग में लचीलापन. वाशिंगटन, डीसी: विश्व बैंक। <https://doi.org/10.1596/978-1-4648-1897-4>. लाइसेंस: CC BY 3.0 IGO.

प्रगति का एक उदीयमान स्थल - और अवसर

वर्ल्ड बैंक ग्रुप। (2022). वित्तीय खाते के स्वामित्व में लिंग अंतर निम्न और मध्यम आय वाले देश (LMICs), 2017-2022 [डेटा सेट]। ग्लोबल व डेटाबेस। जुलाई 2022 में प्राप्त किया। <https://databank.worldbank.org/source/global-financial-inclusion>

ई. फीलड, आर. पांडे, एन. रीगोल, एस. शीनर और टी. सी. मूर. (2021). On her own account: महिलाओं के वित्तीय नियंत्रण को मजबूत करने से श्रम आपूर्ति और लिंग मानदंड कैसे प्रभावित होते हैं। अमेरिकी आर्थिक समीक्षा, 111(7), 2342-2375. <https://doi.org/10.1257/aer.20200705>

नौकरी के उपलब्ध होने और उसे हासिल करने में सक्षम बनने के बीच का अंतर।

अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर संगठन (आईएलओ)। (2018)। अच्छे काम के भविष्य के लिए केयर वर्क और केयर जॉब्स। https://www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/-/dgreports/-/dcomm/-/publ/documents/publication/wcms_633135.pdf

महिलाओं, परिवारों और समुदायों में चतुर निवेश

फ्रायम।(2022)। केयरगिविंग निवेश पर रिटर्न: केन्या सारांश। https://fraym.io/wp-content/uploads/2022/05/Child_Caregiving_Return_on_Investment-Study-Kenya_Summary_Report.pdf

फ्रायम।(2022) दक्षिण अफ्रीका केयरगिविंग निवेश पर रिटर्न: पूरी रिपोर्ट। <https://fraym.io/wp-content/uploads/2022/05/Estimating-the-Return-on>

फ्रायम(2022)। केयरगिविंग निवेश पर रिपोर्ट : नाइजीरिया सारांश। https://fraym.io/wp-content/uploads/2022/05/Fraym_Caregiving-ROI-Nigeria-Report.pdf

हमें दुनिया की भूख के बारे में सोचने का अपना तरीका बदलना होगा

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) (10 जून, 2022)। वैश्विक कृषि बाजारों के लिए यूक्रेन और रूसी संघ का महत्व और यूक्रेन में युद्ध से जुड़े जोखिम। जून, 2022 में जारी। <https://www.fao.org/3/cb9013en/cb9013en.pdf>

बी बैफल्स और के तेमाज़(25 मई, 2022)। खाद्य पदार्थों की कीमतें दो साल की बढ़ोत्तरी की राह पर आगे बढ़नी जारी हैं। विश्व बैंक ब्लॉग: डेटा ब्लॉग। <https://blogs.worldbank.org/opendata/food-prices-continued-their-two-year-long-upward-trajectory>

निम्न आय वर्ग वाले देशों में खाद्य सहायता रिकार्ड स्तर पर और यह आगे बढ़ रही है।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD). (2022). OECD डेटा: खाद्य सहायता [ग्राफ] जुलाई 2022 को एक्सेस किया गया। <https://data.oecd.org/oda/food-aid.htm>

आपकी फसल की मात्रा अक्सर इस बात पर निर्भर करती है कि आप कहां रहते हैं।

यह आंतरिक विश्लेषण खाद्य और कृषि संगठन कॉर्पोरेट सांख्यिकीय डेटाबेस (FAOSTAT) डेटा से विकसित किया गया था। नोट: औसत क्षेत्र-भारित फसल उपज (एएडब्ल्यूवाई) की गणना (i) मुख्य फसलों के कुल उत्पादन को जोड़कर की जाती है, (ii) उन फसलों के लिए उपयोग किए गए कुल क्षेत्रफल को जोड़कर, और फिर (i) को (ii) से विभाजित कर के की जाती है।, FAOSTAT डेटा का उपयोग करना। AAWY की गणना बीज-प्रचारित और वानस्पतिक रूप से प्रचारित फसलों के लिए अलग-अलग की जानी चाहिए, क्योंकि दो प्रकार की फसलों में पानी की मात्रा में बहुत अंतर होता है। एएडब्ल्यूवाई में राष्ट्रीय रूझानों को ध्यान में रखते हुए, व्यक्तिगत वस्तुओं की बजाय, गहनता के लिए समग्र राष्ट्रीय स्थितियों को ध्यान में रखा जाता है। AAWY के मौसम की परिवर्तनशीलता से कम प्रभावित होने की उम्मीद है जो अक्सर संवेदनशील चरणों में कुछ फसलों को प्रभावित करती है जबकि अन्य चरणों में फसलों पर बहुत कम प्रभाव डालती है। यह फसल की कीमतों में भिन्नता के प्रभाव के अधीन भी कम है जो एक मूल्य श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करने वाली नीतियों से उत्पन्न होती है, या क्षेत्र के बाहर की घटनाओं से प्रेरित वैश्विक कर्मांडिटी मूल्यों के उतार-चढ़ाव से उत्पन्न होती है। AAWY विभिन्न फसल मिश्रणों वाले देशों में फसल उपज के रूझान की तुलना करने की भी अनुमति देता है। यह इस बात का राष्ट्रीय सूचकांक है कि सरकारें किस हद तक उत्पादन निवेशों, उत्पादन बाजारों और उत्पादन सूचनाओं तक पहुंच को सुगम बनाने में सफल होती हैं।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ)। (2022)। फसल और पशुधन उत्पाद [डेटा सेट]। FAOSTAT 8 अप्रैल, 2022 को देखा गया। <https://www.fao.org/faostat/en/#data/QCL>. License: CC BY-NC-SA 3.0 IGO.

वर्तमान घरलू उत्पादन अफ्रीका की माँग के लिए पर्याप्त नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ)। (2022)। खाद्य संतुलन [डेटा सेट]। खाद्य और कृषि संगठन कॉर्पोरेट सांख्यिकीय डेटाबेस (FAOSTAT). 27 जुलाई 2022 को एक्सेस किया गया। <https://www.fao.org/faostat/en/#data/FBS>. लाइसेंस: CC BY-NC-SA 3.0 IGO.

एकपा, ओ., पलासियोस-रोजस, एन., कुसेमैन, जी, फोगलियानो, वी और लिनमैन, ए. आर (2019). उप-सहारा अफ्रीकी मक्का-आधारित खाद्य पदार्थ - प्रसंस्करण पद्धतियाँ, चुनौतियाँ और अवसर। अंतरराष्ट्रीय खाद्य समीक्षा, 35(7), 609-639. <https://doi.org/10.1080/87559129.2019.1588290>

जेच्के, एम. (2021, सितंबर 27). मकई पर गर्मी के तनाव का प्रभाव। <https://www.pioneer.com/us/agronomy/heat-stress-corn.html>

वकास, एम.ए., वांग, एक्स., जफर, एस.ए., नूर, एम.ए., हुसैन, एच.ए., नवाज, एम.ए., और फारूक, एम (2021). मक्का में ऊष्मिय दबाव: प्रभाव और प्रबंधन रणनीतियाँ। Plants, 10(2), 293. <https://doi.org/10.3390/plants10020293>

लोबेल, डी, बेंजीगर, एम, मैगोरोकोशो, सी, और बिदिगनविले, एसवी (2011). अफ्रीकी मक्का पर गैर-रखिक ताप प्रभाव, जैसा कि ऐतिहासिक उपज परीक्षणों द्वारा प्रमाणित किया गया है। 1(1), 42-45. <https://doi.org/10.1038/nclimate1043>

उप-सहारा अफ्रीका की सबसे महत्वपूर्ण फसलें जोखिम पर हैं।

एग्रीकल्चरल एडॉप्शन एटलस, खतरा सूचकांक: गर्मी तनाव मक्का [डेटा सेट] 27 जुलाई 2022 को एक्सेस किया गया <http://gca-catalog-explorer-dev.s3-website-us-west-2.amazonaws.com/dataset/af9a6591-aa12-4580-ba96-a3b1c642473f>

ग्राहम, सी (2020). उप-सहारा अफ्रीका में फसलों में भविष्य के ताप तनाव की मात्रा निर्धारित करना (अप्रकाशित)।

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), कृषि विकास अंतरराष्ट्रीय कोष (आईएफएडी), यूनिसेफ, विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएचपी), और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)। (2022)। विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति 2022: स्वस्थ आहार को और अधिक किफायती बनाने के लिए खाद्य और कृषि नीतियों का पुनः उपयोग करना। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ)। <https://doi.org/10.4060/cc0639en>

यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन इवांस स्कूल पॉलिसी एनालिसिस एंड रिसर्च ग्रुप (EPAR) का विश्लेषण नाइजीरिया के सामान्य घरेलू पैल सर्वेक्षण और विश्व बैंक के कृषि पर जीवन स्तर मापन अध्ययन-एकीकृत सर्वेक्षण (LSMS-ISA) के हिस्से पर आधारित है। रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिखाता है कि "2010 और 2018 में जलवायु और कृषि उत्पादन के झटकों के अनुभव का प्रत्युत्तर देने के लिए विभिन्न तुलना तंत्रों का उपयोग करने वाले ग्रामीण कृषि परिवारों का प्रतिशत" चार सर्वेक्षणों में डेटा को संकलित करता है।

किसान जलवायु परिवर्तन से कैसे लड़ सकते हैं? जादुई बीज

अफ्रीकी कृषि प्रौद्योगिकी फाउंडेशन। (2021)। पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, तंजानिया और युगांडा में WEMA परियोजना का प्रभाव मूल्यांकन। [अप्रकाशित]

दिल्लो, बी. और गिल, आर. (2022, May 30). छोटी अवधि की किस्में ज्वार मोड़ रही हैं। The Tribune India. जुलाई 2022 को एक्सेस किया गया। <https://www.tribuneindia.com/news/features/short-duration-varieties-are-turning-the-tide-399427>

दीर्घ अवधि में भूख की समस्या को हल करने का एक मौका छूट गया।

Ceres2030 और अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (IFPRI) आर्थिक सहयोग और विकास सहायता समिति लेनदार रिपोर्टिंग प्रणाली संगठन से डेटा का विश्लेषण। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) विकास सहायता समिति लेनदार रिपोर्टिंग सिस्टम डेटा। (2022) OECD.Stat. जुलाई 2022 को एक्सेस किया गया। <https://stats.oecd.org/>

कृषि के लिए एआई

अंतरराष्ट्रीय मक्का और गेहूँ सुधार केंद्र (CIMMYT)। (4 नवंबर, 2019)। वैज्ञानिकों ने एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित की है जो गेहूँ में लगने वाली रतुआ रोग का अनुमान सीधे किसानों के फोन पर पहुँचाती है [प्रेस विज्ञापित] जुलाई 2022 को एक्सेस किया गया। <https://www.cimmyt.org/news/scientists-develop-an-early-warning-system-that-delivers-weather-rust-predictions-directly-to-farmers-phones/>

एलन-सैडर, सी, थर्स्टन, डब्ल्यू, मेयर, एम, नूर, ई, बाचा, एन, अलेमायेहु, वाई, स्ट्ट, आर.ओ.जे. एच, सफका, डी, क्रेग, ए.पी., डसॉ, ई., बर्गिन, एल.ई., मिलिंगटन, एस.सी., हॉर्ट, एम.सी., हॉडसन, डी.पी., और गिलिगन, सी.ए. (2019). इथियोपिया में गेहूँ के रतुआ रोगों की भविष्यवाणी और शमन करने के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली पर्यावरण अनुसंधान पत्र, 14(11), 115004. <https://doi.org/10.1088/1748-9326/ab4034>

स्वास्थ्य मेट्रिक्स और मूल्यांकन संस्थान (आईएचएमई) द्वारा अनुमानित संकेतक

प्रत्येक संकेतक के लिए डेटा स्रोत की जानकारी नीचे सूचीबद्ध है और ऑनलाइन जानकारी जीबीडी 2021 के प्रकाशन के बाद <https://ghdx.healthdata.org/> पर उपलब्ध होगी।

स्टंटिंग

स्वास्थ्य मेट्रिक्स और मूल्यांकन संस्थान (आईएचएमई) 0-59 महीने के बच्चों के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) 2006 के विकास मानकों के आधार पर, ऊंचाई-आयु वृद्धि वक्र पर संदर्भ माध्यिका के नीचे दो से अधिक मानक विचलन के रूप में स्टंटिंग प्रचलन को मापता है। प्रति व्यक्ति आय और शिक्षा पर कोविड-19: महामारी के प्रभावों को पकड़ने के लिए एक प्रमुख चालक के रूप में सीरियल डिजिटल इंटरफ़ेस (एसडिआई) का उपयोग करते हुए, स्टंटिंग की व्यापकता का पूर्वानुमान लगाने के लिए 2030 के अनुमानों को एक समग्र दृष्टिकोण का उपयोग करके तैयार किया गया था।

ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) 2020 में अनुमानों के गंभीरता-विशिष्ट स्टंटिंग प्रसार और औसत ऊंचाई-कै-आयु z-scores (HAZ) के लिए पहनावा मॉडल भविष्यवाणियों सहित कई पद्धतिगत प्रगतियों का उपयोग किया, <5 आयु समूहों का और अधिक विघटन, और एक बेहतर वितरण फिटिंग मॉडल जो HAZ स्कोर की पूरी श्रृंखला के बजाय <-2 (यानी स्टंटिंग के लिए सीमा के तहत) के HAZ स्कोर पर ध्यान केंद्रित करता है। इससे दक्षिण अफ्रीका, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य,

भारत और पाकिस्तान सहित कई देशों में अनुमानों में सुधार हुआ। इसके अलावा, नए आंकड़ों ने पाकिस्तान सहित कई देशों में अनुमानों में सुधार किया है।

मातृ मृत्यु अनुपात

मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) को प्रति 100,000 जीवित जन्मों पर एक निश्चित समय अवधि के दौरान 15-49 वर्ष की आयु की महिलाओं में मातृ मृत्यु की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है। यह जीवित जन्मों की संख्या के सापेक्ष मातृ मृत्यु के जोखिम को दर्शाता है और अनिवार्य रूप से एकल गर्भवस्था या एकल जीवित जन्म में मृत्यु के जोखिम को दर्शाता है। प्रति व्यक्ति आय और शिक्षा पर कोविड-19 महामारी के प्रभावों को पकड़ने के लिए एक प्रमुख चालक के रूप में सीरियल डिजिटल इंटरफ़ेस (एसडिआई) का उपयोग करते हुए, एमएमआर का पूर्वानुमान लगाने के लिए 2030 के अनुमानों को एक समग्र दृष्टिकोण का उपयोग करके तैयार किया गया था।

चुनीदा देशों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मातृ मृत्यु दर के हमारे विश्लेषण ने प्रत्यक्ष मृत्यु दर और कोविड-19 महामारी (यानी, कोविड-19 संक्रमण घटना दर, कोविड-19 मृत्यु दर, गतिशीलता में परिवर्तन) के संकेतकों के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं दिखाया। हालांकि, अप्रत्यक्ष मातृ मृत्यु दर पर कोविड-19 महामारी का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। अप्रत्यक्ष मातृ मृत्यु दर पर यह प्रभाव एक सहसंयोजक के रूप में कोविड-19 मृत्यु दर का उपयोग करके तैयार किया गया था। इस वर्ष, अतिरिक्त अप्रत्यक्ष मातृ मृत्यु दर के हमारे अनुमानों में उन मौतों के अनुपात में सुधार भी शामिल है जिन्हें आकस्मिक माना जाता है, या गर्भवस्था की स्थिति से असंबद्ध माना जाता है। वर्तमान में उपलब्ध डेटा महामारी और मातृ देखभाल (प्रसव पूर्व देखभाल, कुशल जन्म उपस्थिति) के संकेतकों के बीच एक सुसंगत संबंध का संकेत नहीं देता है, और आईएचएम (IHME) ने इन संकेतकों पर महामारी के प्रभाव को शामिल नहीं किया है।

5 वर्ष से कम आयु वर्ग में (अंडर-5) मृत्यु दर

आईएचएम (IHME) ने अंडर-5 मृत्यु दर (यू5एमआर) को जन्म और उम्र 5 के बीच मृत्यु की संभावना के रूप में परिभाषित किया है। इसे प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर होने वाली मौतों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है। अनुमान प्रमुख ड्राइवर्स के संयोजन पर आधारित थे, जिनमें जीबीडी जोखिम कारक, चयनित हस्तक्षेप (जैसे, टीके), और एसडीआई शामिल हैं। कोविड-19 महामारी से अतिरिक्त अल्पकालिक व्यवधानों (2020-2021) में संक्रामक रोगों (फ्लू, रेस्पिरेंटरी सिंकाइटियल वायरस, खसरा, चिकन पॉक्स) से होने वाली बच्चों की मौतों में कमी को शामिल किया गया है, जो मुख्य रूप से सामाजिक दूरी और मास्क के उपयोग से प्रेरित है।, साथ ही सीधे तौर पर कोविड-19 के कारण बच्चों की मृत्यु में वृद्धि हुई है। वर्तमान गोलकीपर्स रिपोर्ट परिणामों में USMR अनुमानों में अधिकांश परिवर्तन नए और अतिरिक्त इनपुट मृत्यु दर आंकड़ों से आए हैं, जिसे आईएचएम (IHME) ने जीबीडी 2019 के अध्ययन के बाद से शामिल किया है, जिसमें कोविड-19 महामारी के दौरान पाई गई अधिक मृत्यु दर के अनुमान शामिल हैं।

वांग, एच., पॉलसन, के.आर., पीज़, एस.ए., वॉटसन, एस., कम्फर्ट, एच., झोंग, पी., अरावकिन, ए.वाई., बिस्मिनानो, सी., बार्बर, आर.एम., आलम, टी., फुलर, जे.ई., मे, ई.ए., जोन्स, डी.पी., फ्रिस्क, एम.ई., अब्बाफकी, सी., एडोल्फ, सी., एलोरेट, ए., अमलाग, जे.ओ., बैंग-जेन्सेन, बी.एल., . . . मर्, सी. जे. एल. (2022). कोविड-19 महामारी के कारण अधिक मृत्यु दर का अनुमान: कोविड-19 से संबंधित मृत्यु दर का व्यवस्थित विश्लेषण, 2020-21. द लॉसेट, 399(10334), 1513-1536. [https://doi.org/10.1016/S0140-6736\(21\)02796-3](https://doi.org/10.1016/S0140-6736(21)02796-3)

नवजात मृत्यु दर

आईएचएम (IHME) नवजात मृत्यु दर को जीवन के पहले 28 पूर्ण दिनों में मृत्यु की संभावना के रूप में परिभाषित करता है। इसे प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर होने वाली मौतों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है। अनुमान प्रमुख वाहकों के संयोजन पर आधारित थे, जिनमें जीबीडी जोखिम कारक, चयनित हस्तक्षेप (जैसे, टीके), और एसडीआई शामिल हैं। इस वर्ष की गोलकीपर्स रिपोर्ट में नवजात मृत्यु दर के अनुमानों में अधिकांश परिवर्तन नए आंकड़ों का परिणाम हैं, जिसमें कोविड-19 महामारी के दौरान पाई गई अधिक मृत्यु दर के अनुमान शामिल हैं।

वांग, एच., पॉलसन, के.आर., पीज़, एस.ए., वॉटसन, एस., कम्फर्ट, एच., झोंग, पी., अरावकिन, ए.वाई., बिस्मिनानो, सी., बार्बर, आर.एम., आलम, टी., फुलर, जे.ई., मे, ई.ए., जोन्स, डी.पी., फ्रिस्क, एम.ई., अब्बाफकी, सी., एडोल्फ, सी., एलोरेट, ए., अमलाग, जे.ओ., बैंग-जेन्सेन, बी.एल., . . . मर्, सी. जे. एल. (2022). कोविड-19 महामारी के कारण अधिक मृत्यु दर का अनुमान: कोविड-19 से संबंधित मृत्यु दर का व्यवस्थित विश्लेषण, 2020-21. द लॉसेट, 399(10334), 1513-1536. [https://doi.org/10.1016/S0140-6736\(21\)02796-3](https://doi.org/10.1016/S0140-6736(21)02796-3)

एचआईवी

आईएचएम (IHME) एचआईवी (HIV) दर का अनुमान, प्रति 1,000 जनसंख्या पर नए एचआईवी संक्रमणों के रूप में करती है। एचआईवी की घटनाओं के पूर्वानुमान पूर्वानुमान एआरटी, मां से-बच्चों में होने वाले संचरण (PMTCT) कवरेज की रोकथाम, और एवेनिर हेल्थ के स्पेक्ट्रम सॉफ्टवेयर के संशोधित संस्करण में इनपुट के रूप में घटनाओं पर आधारित थे। एचआईवी उपचारात्मक देखभाल पर अपेक्षित खर्च का उपयोग करके वयस्क एआरटी का पूर्वानुमान लगाया जाता है - जो बदले में प्रति व्यक्ति आय के आधार पर पूर्वानुमानित किया गया था, जिसमें कोविड-19 महामारी के प्रभाव और एआरटी की कीमतें शामिल हैं। जीबीडी अनुमानों में एचआईवी से होने वाली मौतों के आंकड़ों के साथ-साथ महत्वपूर्ण पंजीकरण डेटा के अनुरूप घटनाओं के अनुमानों के समायोजन के लिए पद्धतिगत परिवर्तन शामिल किए गए हैं।

माही, एम, पेनाज़ातो, एम, सियारानेले, ए, मोफेंसन, एल, गियानोस्ट्रेसो, सी, डेविस, एम-ए, और स्टोवर, जे (2017). स्पेक्ट्रम एड्स इंपैक्ट मॉडल से एचआईवी के साथ रहने वाले बच्चों के अनुमानों में सुधार। एड्स, 31(Suppl 1), S13-S22. <https://doi.org/10.1097/QAD.0000000000001306>

ईटन, जे. डब्ल्यू., ब्राउन, टी., पकेट, आर., ग्लोबियस, आर., मुताई, के., बाओ, एल., सॉलोमन, जे.ए., स्टोवर, जे., माही, एम., और हैलेट, टी.बी. (2019). अनुमान और प्रोजेक्शन पैकेज आयु-लिंग मॉडल और आर-हाइब्रिड मॉडल: उप-सहारा अफ्रीका में एचआईवी घटनाओं के रुझान का अनुमान लगाने के लिए नए उपकरण। एड्स, 33(Suppl 3), S235-S44. <https://doi.org/10.1097/QAD.0000000000002437>

जहांगीरदार, डी., वाल्टर्स, एम.के., नोवोटनी, ए., ब्रेवर, ई.डी., फ्रैंक, टी.डी., कार्टर, ए., बीहल, एम.एच., अब्बस्ताबार, एच., अभिलाष, ई.एस., अबू-घरबीह, ई., अबू-रदा, एल.जे., अदेकनबी, वी., अदेयिका, डी.ए., अदानी, क्यू.ई.एस., अफजल, एस., अघबाबाई, एस., अहिकोराह, बी.ओ., अहमद, एस., अहमदी, के., और क्यू, एच.एच. (2021) वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय लिंग-विशिष्ट बोझ और एचआईवी महामारी का नियंत्रण, 1990-2019, 204 देशों और क्षेत्रों के लिए: रोगों का वैश्विक बोझ अध्ययन 2019. द लॉसेट एचआईवी, 8(10), e633-e651. [https://doi.org/10.1016/S2352-3018\(21\)00152-1](https://doi.org/10.1016/S2352-3018(21)00152-1)

तपेदिक (क्षय रोग)

आईएचएम (IHME) किसी निश्चित कैलेंडर वर्ष (घटना) के भीतर निदान किए गए नए और दोबारा होने वाले ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) मामलों का अनुमान, प्रसार सर्वेक्षणों, मामलों की जानकारी, और कारण-विशिष्ट मृत्यु दर अनुमानों के डेटा का उपयोग करके अनुमानों के बीच आंतरिक स्थिरता को लागू करने वाले सांख्यिकीय मॉडल के इनपुट के रूप में लगाता है। इस दौर में जीबीडी अनुमानों में केस अधिसूचना डेटा का उपयोग करने में पद्धतिगत सुधारों को शामिल किया जाता है।

आईएचएम (IHME) ने टीबी की घटनाओं में कोविड-19 के कारण आए व्यवधानों पर उपलब्ध सामग्री का मूल्यांकन किया और तीन प्रकार के अध्ययनों की पहचान की: 2020 में निदान और उपचार पर कच्चे डेटा की रिपोर्ट करने वाले अध्ययन, नए सर्वेक्षणों से सेवा व्यवधान पर रिपोर्टिंग का अध्ययन, और अधिसूचना डेटा का उपयोग करके टीबी प्रभावों के मॉडल पर रिपोर्टिंग का अध्ययन या सैद्धांतिक कोविड परिदृश्य। महामारी से पहले के समय में प्रतितात्कालिक डेटा की कमी और वर्तमान अध्ययनों में प्रयुक्त मॉडलिंग मान्यताओं के कारण, आईएचएम कोविड-19 के कारण टीबी की घटनाओं में एक अतिरिक्त व्यवधान का अनुमान नहीं लगा सका। अधिक डेटा जारी होने पर आईएचएम (IHME) मूल्यांकन और विश्लेषण करना जारी रखेगा। ऐतिहासिक रुझानों के अलावा, प्रति व्यक्ति आय और शिक्षा पर कोविड-19 महामारी के प्रभावों का पता लगाने के लिए एक प्रमुख वाहक के रूप में सीरियल डिजिटल इंटरफ़ेस (एसडिआई) का उपयोग करते हुए, टीबी की घटनाओं की भविष्यवाणी करने के लिए एक समेकित दृष्टिकोण का उपयोग करके 2030 के अनुमानों का आंकलन किया गया था।

मलेरिया

आईएचएम (IHME) प्रति 1,000 जनसंख्या पर नए मामलों की संख्या के रूप में मलेरिया दर का अनुमान लगाती है। 2020 और 2021 में मलेरिया की घटनाओं का अनुमान लगाने के लिए, आईएचएम (IHME) मलेरिया के अंतर्क्षेप और मलेरिया-रोधी दवा (जिसमें ITN, इनडोर अवशिष्ट छिड़काव, मलेरिया-रोधी उपचार और दवा प्रभावशीलता शामिल है) के साथ प्रभावी उपचार के लिए महामारी से संबंधित व्यवधानों के बारे में नवीनतम रिपोर्टों को ध्यान में रखता है। इन रिपोर्टों का उपयोग मलेरिया-रोधी उपचार कवरेज के अनुमानों के समायोजन को लागू करने के लिए किया गया था, जो तब मलेरिया की घटनाओं के अनुमानों का उत्पादन करने के लिए उपयोग किए गए थे। 2030 के अनुमानों का आंकलन एक समूह मॉडल का उपयोग करके किया गया था। सबसे पहले, एसीटी और आईटीएन का कवरेज सीरियल डिजिटल इंटरफ़ेस (एसडिआई) के एक कार्य के रूप में पूर्वानुमानित किया गया है, जिसका अनुमान प्रति व्यक्ति आय और शिक्षा के अनुमानों के अनुसार लगाया जाता है। उन देशों के लिए जहां हस्तक्षेप कवरेज पर उपलब्ध डेटा मौजूद है, अनुमानों का पता लगाने के लिए एसीटी और आईटीएन कवरेज के पिछले रुझानों और पूर्वानुमानों को शामिल करते हुए, एक समेकित दृष्टिकोण का उपयोग करके 2030 तक मलेरिया की घटनाओं का पूर्वानुमान लगाया जाता है। उन देशों के लिए जहां एसीटी या आईटीएन कवरेज पर कोई डेटा उपलब्ध नहीं है, एसडीआई के पिछले रुझानों के साथ-साथ एसडीआई के अनुमानों के आधार पर एक समेकित दृष्टिकोण का उपयोग किया जाता है, जिसमें प्रति व्यक्ति आय और शिक्षा के माध्यम से कोविड-19 महामारी के प्रभावों को शामिल किया जाता है।

रिपोर्टिंग में देरी के कारण, मलेरिया की घटनाओं पर महामारी से संबंधित प्रभावों को सूचित करने के लिए अभी भी अपेक्षाकृत कम आंकड़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) वैश्विक पल्स सर्वेक्षण, जिनका उपयोग 2020 और 2021 की घटनाओं के परिणामों को समायोजित करने के लिए किया गया था, केवल उप-सहारा अफ्रीका के देशों में लागू किए गए थे, क्योंकि अन्य क्षेत्रों में समायोजन को लागू करने के लिए तुलनीय पद्धति की

कमी के कारण घटना अनुमान में अंतर आ गया था। इसके अलावा, हालांकि वे पल्स सर्वेक्षण वर्तमान में हमें मलेरिया महामारी से संबंधित प्रभावों का पता लगाने की कोशिश शुरू करने की सुविधा देते हैं, फिर भी ये सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा पूरे किए गए थे और इनमें केवल उनके व्यक्तिगत मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया था कि कैसे महामारी ने देखभाल की माँग को प्रभावित किया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन। (अगस्त, 2020)। कोविड-19 महामारी के दौरान आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता पर पल्स सर्वेक्षण: अंतरिम रिपोर्ट, 27 अगस्त 2020. नवंबर 2021 को एक्सेस किया गया। https://www.who.int/publications/i/item/WHO-2019-nCoV-EHS_continuity-survey-2020.1

विश्व स्वास्थ्य संगठन। (अप्रैल, 2021) कोविड-19 महामारी के दौरान आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता पर राष्ट्रीय पल्स सर्वेक्षण का दूसरा दौर: जनवरी-मार्च 2021 (अंतरिम रिपोर्ट) नवंबर 2021 को एक्सेस किया गया। https://www.who.int/publications/i/item/WHO-2019-nCoV-EHS_continuity-survey-2021.1

उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग

आईएचएमई (IHME) प्रति 100,000 में 15 एनटीडी के प्रसार के योग को मापता है, जिसे वर्तमान में वार्षिक ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज अध्ययन में जाता है: मानव अफ्रीकी ट्रिपैनोसोमियासिस, चागास रोग, सिस्टिक इचिनोकोकोसिस, सिस्टिसरकोसिस, डेंगू, खाद्य-जनित ट्रैमेटोडायसिस, गिनी वर्म, मिट्टी-संचारित कृमि (एसटीएच, जिसमें हुकवर्म, ट्राइचुरियासिस और एस्कारियासिस शामिल हैं), लीशमैनियासिस, कुष्ठ रोग, लसीका फाइलेरिया, ऑकोकेरियासिस, रेबीज, शिस्टोसोमियासिस और ट्रेकोमा। 2020 गोलकीपर्स रिपोर्ट के बाद से, इस संकेतक में ऐतिहासिक रुझानों में परिवर्तन जीबीडी 2020 अध्ययन के लिए किए गए प्रत्येक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (एनटीडी) के अनुमानित प्रसार की नवीनतम स्थिति को दर्शाता है। विशेष रूप से, 2020 गोलकीपर्स रिपोर्ट और इन अनुमानों के बीच सारांश एनटीडी प्रसार संकेतक में परिवर्तन, विशेष रूप से लैटिन अमेरिका और दक्षिण एशिया में एसटीएच मॉडल में नया डेटा जोड़ने को प्रदर्शित करता है।

सीमित निगरानी और नियंत्रण कार्यक्रम डेटा उपलब्धता के कारण, 2021 गोलकीपर्स रिपोर्ट में, आईएचएमई (IHME) ने इस संकेतक पर कोविड-19 प्रभाव का अनुमान नहीं लगाया था। मॉडलिंग अध्ययनों और उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि कोविड महामारी की संभावना एनटीडी महामारी विज्ञान में व्यवधान के कारण हुई, हालांकि ये रुकावटें रोग और स्थान के अनुसार भिन्न हो सकती हैं और नियंत्रण प्रयासों में वृद्धि से इनके समापन के लिए अलग-अलग रूप से उत्तरदायी हो सकती हैं। हालांकि मॉडलिंग अध्ययन विभिन्न परिदृश्यों के तहत संभावित व्यवधानों को चिह्नित कर सकते हैं, लेकिन एनटीडी (NTD) महामारी विज्ञान पर महामारी के प्रभाव के वास्तविक परिमाण को निर्धारित करने के लिए विश्वसनीय डेटा दुर्लभ हैं।

इस वर्ष की रिपोर्ट के लिए, आईएचएमई (IHME) ने एनटीडी (NTD) प्रसार पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव को मापने वाले प्रकाशित और ग्रे साहित्य की खोज की। डेटा अंतराल, उपलब्धता में कमी, और महामारी के दौरान एनटीडी निगरानी में संभावित व्यवधानों के लिए लेखांकन में चुनौतियों के कारण, आईएचएमई (IHME) को केवल डेंगू के लिए कोविड-19 व्यवधानों के समायोजन का समर्थन करने के लिए सबूत मिले। आईएचएमई (IHME) ने Chen et al. (2022), से कोविड व्यवधानों के देश-विशिष्ट अनुमानों का उपयोग करके 2020 और 2021 में डेंगू के अनुमानों को समायोजित किया। जिसमें 2021 के लिए अद्यतन अनुमान शामिल हैं, जो अध्ययन लेखकों द्वारा

व्यक्तिगत संचार के माध्यम से प्रदान किए गए हैं। 2020 के लिए, आईएचएमई (IHME) ने केवल अप्रैल से दिसंबर तक होने वाले मामलों के अनुपात को समायोजित किया, जो महामारी की शुरुआत के समय को दर्शाता है; 2021 के लिए, आईएचएमई (IHME) ने पूरे वर्ष को शामिल किया। आईएचएमई (IHME) ने डेटा विसंगतियों के कारण ब्राजील को देश-विशिष्ट विश्लेषण से बाहर रखा। इस विश्लेषण से सीधे अनुमान नहीं लगाने वाले देशों के लिए, आईएचएमई (IHME) ने क्षेत्रीय या वैश्विक व्यवधान अनुपात लागू किया। 2030 के अनुमानों ने एक समूह मॉडल का उपयोग किया, जो अतीत के रुझानों के साथ-साथ सीरियल डिजिटल इंटरफ़ेस (एसडिआई) के अनुमानों से प्रेरित था, जिसमें प्रति व्यक्ति आय और शिक्षा पर कोविड-19 महामारी से व्यवधान शामिल थे।

हॉलिंग्सवर्थ, टी.डी., मविन्ज़ी, पी., वास्कोनसेलोस, ए., और डी व्लास, एस.जे. कोविड-19 के कारण उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग कार्यक्रमों में रुकावटों के संभावित प्रभाव का मूल्यांकन. द रॉयल सोसाइटी ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन के लेनदेन, 115(3), 201-204. <https://doi.org/10.1093/trstmh/tra023>

चेन, वाई, ली, एन, लौरेको, जे, वांग, एल, कैज़ेल्स, बी, डोंग, एल, ली, बी, लियू, वाई, जित, एम, बोस, एन आई, एबॉट, एस, वेलायुथन, आर, वाइल्डर-स्मिथ, ए, तियान, ए, और ब्रैडी, ओ जे (2022). दक्षिण पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिका में डेंगू संचरण पर कोविड-19 से संबंधित व्यवधान के प्रभावों को मापना: एक सांख्यिकीय मॉडलिंग अध्ययन। द लॉसेट संक्रामक रोग, 22(5), 657-667. [https://doi.org/10.1016/S1473-3099\(22\)00025-1](https://doi.org/10.1016/S1473-3099(22)00025-1)

परिवार नियोजन

आईएचएमई (IHME) प्रजनन आयु (15-49 वर्ष) वाली महिलाओं के अनुपात का अनुमान लगाता है, जिनकी परिवार नियोजन की आवश्यकता आधुनिक गर्भनिरोधक तरीकों से संतुष्ट हो जाती है। आधुनिक गर्भनिरोधक विधियों में पुरुष और महिला नसबंदी, पुरुष और महिला कंडोम, डायोफ्राम, सरवाइकल कैप, स्पंज, शुक्राणुनाशक एजेंट, खाई जाने वाली हार्मोनल गोल्यां, पैच, रिंग्स, प्रत्यारोपण, इंजेक्शन, अंतर्गर्भाशयी डिवाइस (आईयूडी), और आपातकालीन गर्भ निरोधकों का वर्तमान उपयोग शामिल है। 2030 तक के अनुमानों ने पिछले रुझानों के आधार पर और एक प्रमुख वाहक के रूप में सीरियल डिजिटल इंटरफ़ेस (एसडिआई) का उपयोग करते हुए एक समूह मॉडल का उपयोग किया, जिसमें प्रति व्यक्ति आय और शिक्षा और कोविड-19 महामारी के प्रभावों का अनुमान शामिल है।

परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग फॉर एक्शन (पीएमए) सर्वेक्षणों का हमारा विश्लेषण और ऊपर उल्लिखित स्मार्टफोन-आधारित अनुवर्ती सर्वेक्षण महामारी के कारण गर्भनिरोधक के उपयोग में लगातार, महत्वपूर्ण कमी नहीं दिखाता है। परिणामस्वरूप, आईएचएमई (IHME) ने परिवार नियोजन संकेतक पर अल्पकालिक प्रभाव शामिल नहीं किया। ऐतिहासिक अनुमानों में परिवर्तन के लिए पद्धति अनुसार नवीनतम और नए डेटा स्रोतों को जोड़ने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसमें पीढ़ियाँ और जेंडर प्रोग्राम सर्वेक्षण शामिल हैं। उन्होंने मॉडलिंग से उस माँग को बदल दिया जो सभी महिलाओं के लिए सीधे आधुनिक तरीकों से उन्हें संतुष्ट करती है और भागीदारी और गैरभागीदारी वाली महिलाओं के लिए संकेतक के तीन अंतर्निहित घटकों को अलग-अलग नमूने के रूप में प्रस्तुत करने के लिए: किसी गर्भनिरोधक का उपयोग, आधुनिक उपयोग का अनुपात, और गैर-उपयोग का अनुपात अथवा ज़रूरत है। यह मॉडलिंग दृष्टिकोण डेटा प्रतिबंधों के साथ बेहतर रूप से मिलान करता है जैसे कि केवल सर्वेक्षण में भागीदारी करने वाली (विवाहित या साथ रहने वाली महिलाओं का सर्वेक्षण करना और हमें परिवार नियोजन संकेतकों की पूरी शृंखला का निर्माण करने की अनुमति देता है।

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्रभावी कवरेज इंडेक्स 23 प्रभावी कवरेज संकेतकों से बना एक मेट्रिक है जो पूरे जीवन पाठ्यक्रम में जनसंख्या-आयु समूहों को शामिल करता है (मातृ और नवजात आयु वर्ग, 5 वर्ष से कम आयु के बच्चे, 5-19 वर्ष की आयु के युवा, वयस्क उम्र सीमा 20-64, और वयस्क उम्र 65 वर्ष और उससे अधिक)। ये संकेतक कई स्वास्थ्य सेवा सीमा में आते हैं: संवर्धन, रोकथाम और उपचार।

स्वास्थ्य प्रणाली संवर्धन संकेतकों में आधुनिक गर्भनिरोधक के साथ परिवार नियोजन की आवश्यकता को पूरा करना शामिल है।

स्वास्थ्य प्रणाली के रोकथाम संकेतकों में डिथीरिया-टेटनस-पर्टुसिस वैक्सीन की तीसरी खुराक प्राप्त करने वाले बच्चों और खसरा-युक्त टीके की पहली खुराक हासिल करने वाले बच्चों का अनुपात शामिल है। माताओं के लिए प्रसव पूर्व देखभाल और नवजात शिशुओं के लिए प्रसव पूर्व देखभाल को स्वास्थ्य प्रणाली की रोकथाम और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले रोगों के उपचार का संकेतक माना जाता है।

संचारी रोगों के उपचार के संकेतक कम श्वसन संक्रमण, दस्त और तपेदिक के लिए मृत्यु दर (एमआई) अनुपात के साथ-साथ एचआईवी / एड्स वाले लोगों में एआरटी का कवरेज शामिल है। गैर-संचारी रोगों के उपचार के संकेतकों में तीव्र लिम्फोडिड ल्यूकेमिया, एपेंडिसाइटिस, पैरासिटिक इलियस और आंतों में रुकावट, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर के लिए एमआई अनुपात शामिल हैं। गैर-संचारी रोगों के उपचार के संकेतकों में स्ट्रोक, क्रोनिक गुदा रोग, मिर्गी, अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, मधुमेह, और इस्केमिक हृदय रोग के कारण जोखिम-मानकीकृत मृत्यु दर के लिए मृत्यु दर-प्रसार (एमपी) अनुपात भी शामिल हैं।

2022 से 2030 तक सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) सूचकांक के पूर्वानुमानों का उत्पादन करने के लिए, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लिए एक मेटा-स्टोकेस्टिक फ्रंटियर मॉडल उपयुक्त था, जिसमें प्रति व्यक्ति कुल स्वास्थ्य व्यय को स्वतंत्र चर के रूप में इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद मॉडल में से देश-और वर्ष-विशिष्ट अक्षमताओं को निकाला गया था और प्रत्येक देश स्तर के लिए समय-समय पर घातीय भार के साथ एकरैखिक प्रतिगमन का उपयोग करके 2030 तक का पूर्वानुमान लगाया गया था। इन पूर्वानुमानित अक्षमताओं, प्रति व्यक्ति कुल स्वास्थ्य व्यय के पूर्वानुमानित अनुमानों के साथ, 2022-2030 के लिए सभी देशों के लिए पूर्वानुमानित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करने के लिए पहले से तय सीमा में प्रतिस्थापित किया गया था।

महामारी के कारण होने वाले अल्पकालिक प्रभावों को कुछ अपवादों के साथ हमारे अंतिम परिणामों में शामिल किया गया था। एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (एआरटी) कवरेज स्कोर और परिवार नियोजन के लिए पूरी माँग को समायोजित नहीं किया गया था, जैसा कि पिछले संकेतक अनुभागों में वर्णित डेटा में सीमाओं के कारण था। वैक्सीन वितरण के लिए समायोजन टीके अनुभाग में वर्णित हैं। अन्य संकेतकों के लिए (23 में से 19), उपकरणों के कमी और कवरेज में कमी के बीच पत्राचार को सूचित करने के लिए डेटा के अभाव में, आईएचएमई (IHME) ने मासिक छूटी हुई चिकित्सा विजिट्स (नियमित सेवाओं को छोड़कर) में 25% की कमी लागू की।

धूम्रपान

आईएचएमई (IHME) 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों में धूम्रपान वाले तंबाकू के किसी भी वर्तमान उपयोग के आयु-मानकीकृत प्रसार का आकलन करता है। आईएचएमई (IHME) उपलब्ध प्रतिनिधि सर्वेक्षणों से जानकारी का मिलान करता है जिसमें तंबाकू के स्व-रिपोर्ट किए गए वर्तमान उपयोग के बारे में प्रश्न और धूम्रपान वाले तंबाकू उत्पाद के प्रकार

(सिगरेट, सिगार, पाइप, हुक्का और स्थानीय उत्पादों सहित) के बारे में जानकारी शामिल है। आईएचएमई (IHME) पिछले 30 दिनों के भीतर सभी डेटा को किसी भी वर्तमान धूम्रपान की अपनी मानक परिभाषा में परिवर्तित करता है, ताकि सभी स्थानों और समय के साथ उपयुक्त तुलना की जा सके। एसडीजी परिभाषा के साथ बेहतर ढंग से संरेखित करने के लिए, पिछले 30 दिनों के भीतर दैनिक धूम्रपान से लेकर किसी भी तरह के धूम्रपान संकेतक में नवीनतम जानकारी को प्रतिबिंबित करने वाले इस वर्ष के अनुमान पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। 2030 के अनुमानों ने सीरियल डिजिटल इंटरफ़ेस (एसडिआई) को एक प्रमुख वाहक के रूप में इस्तेमाल किया गया, जिसमें प्रति व्यक्ति आय, शिक्षा और कोविड-19 महामारी के प्रभाव के अनुमान शामिल हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) (2021). तंबाकू सेवन के प्रचलन में रुझान पर डब्ल्यूएचओ की वैश्विक रिपोर्ट 2000-2025. (4th ed.) <https://www.who.int/publications/i/item/9789240039322>. लाइसेंस: CC BY-NC-SA 3.0 IGO.

वैक्सीन्स (टीके)

निम्नलिखित टीकों की कवरेज पर आईएचएमई (IHME) के प्रतिरक्षण कवरेज रिपोर्ट का आंकलन अलग से किया गया: डीटीपी 3 (DTP3), खसरे की दूसरी खुराक एमसीवी2 (MCV2), और तीन-खुराक वाली न्यूमोकोकल संयुक्त वैक्सीन पीसीवी 3 (PCV3)। आईएचएमई (IHME) ने टीके की खुराक पर प्रशासनिक डेटा के माध्यम से अल्पकालिक (2020-2021) प्रभावों का अनुमान लगाया। 2021 गोलकीपर्स रिपोर्ट में, आईएचएमई (IHME) ने कवरेज व्यवधानों का अनुमान लगाने के लिए, मासिक प्रशासनिक डेटा के लिए उपयुक्त और एक भविष्यवक्ता के रूप में गतिशीलता व्यवधानों का उपयोग करने के लिए दो-चरणीय रैंडम-स्पलाइन मेटा-रिग्रेशन मॉडल का उपयोग किया। इस वर्ष की रिपोर्ट में, आईएचएमई (IHME) ने अनुमान लगाया है कि कोविड महामारी के कारण कवरेज में रुकावट सीधे हमारे मॉडलिंग ढांचे के अंदर है, उसी तरह जैसे स्टॉकआउट और अन्य व्यवधानों का पूर्व-महामारी के वर्षों में हिासाब लगाया जाता है। यह बदलाव कई कारणों से किया गया था। पहले, 2020 और 2021 दोनों के लिए पूर्व-वर्ष का प्रशासनिक डेटा अब डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ की संयुक्त रिपोर्टिंग प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध है, जो पिछले साल की रिपोर्ट की तुलना में अधिक व्यापक वार्षिक डेटा सेट का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरा, महामारी के दौरान समय पर मासिक कवरेज डेटा की उपलब्धता में कमी आई है। तीसरा, हालांकि गतिशीलता में रुकावट महामारी की शुरुआत में कवरेज व्यवधानों के बर में मज़बूती से भावी स्थिति का आकलन कर रहा था, लेकिन चल रहे टीकाकरण सेवा व्यवधानों के कारण ये सब समय के साथ तेजी से जटिल हो गए हैं, जिनमें लगातार आपूर्ति व्यवधान, कार्यबल की कमी और देखभाल की माँग में कमी शामिल है। इसलिए, इस वर्ष की रिपोर्ट में, आईएचएमई ने वार्षिक डेटा की बढ़ती मात्रा का लाभ उठाने और कवरेज व्यवधानों के पूर्वसूचकों के रूप में गतिशीलता पर मॉडल की निर्भरता को कम करने के लिए हमारी मॉडलिंग रणनीति को अनुकूलित किया है।

वैक्सीन कवरेज में व्यवधानों का अनुमान लगाते हुए, आईएचएमई (IHME) ने 2022 संयुक्त रिपोर्टिंग फॉर्म के माध्यम से एकत्र किए गए प्रशासनिक वैक्सीन कवरेज डेटा का उपयोग किया। सबसे पहले, आईएचएमई (IHME) ने देश-वर्ष-वैक्सीन डेटा बिंदुओं को छोड़ कर प्रशासनिक वैक्सीन कवरेज डेटा की "शॉक-फ्री" समय श्रृंखला को इकट्ठा किया, जिसके लिए देशों ने स्टॉकआउट की सूचना दी या जिसके लिए अन्य ज्ञात सेवा वितरण व्यवधानों ने वैक्सीन कवरेज में अचानक कमी पैदा कर दी। इस चरण में, उन्होंने कोविड महामारी के कारण सभी देशों के लिए 2020 और 2021 के सभी डेटा

बिंदुओं को छोड़ दिया। दूसरा, आईएचएमई (IHME) तब इस "शॉक-फ्री" प्रशासनिक समय श्रृंखला के लिए स्पॉटियोटेमोरल गॉसियन प्रोसेस रिग्रेशन (एसटी-जीपीआर) मॉडल को उपयुक्त समझता है, जो व्यवधानों के न होने पर अपेक्षित प्रशासनिक कवरेज का अनुमान लगाता है। तीसरा, आईएचएमई ने रिपोर्ट किए गए प्रशासनिक कवरेज की इन अपेक्षाओं से तुलना की, ताकि प्रत्येक देश, वैक्सीन और वर्ष के लिए प्रशासनिक डेटा द्वारा निहित व्यवधान की भयावहता का अनुमान लगाया जा सके। अंत में, आईएचएमई ने हमारे अंतिम एसटी-जीपीआर कवरेज मॉडल में सहसंयोजक बनाने के लिए प्रशासनिक कवरेज में इन अनुमानित व्यवधानों का उपयोग किया, जो सर्वेक्षण डेटा और पूर्वग्रह-समायोजित प्रशासनिक डेटा के लिए उपयुक्त था। यदि 2020 या 2021 में प्रशासनिक डेटा गायब था, तो उन्होंने उपलब्ध प्रशासनिक डेटा वाले देशों में वैक्सीन-और वर्ष-विशिष्ट वितरणों का उपयोग करके घटकों को लागू किया और इस पूरी प्रक्रिया में अनिश्चितता का प्रचार किया। इस दृष्टिकोण ने आईएचएमई (IHME) को इस डेटा में पूर्वग्रह के लिए समायोजन करते हुए, प्रशासनिक डेटा द्वारा निहित कवरेज व्यवधानों की भयावहता का लाभ उठाने की अनुमति दी।

कौसी, के., फुलमैन, एन., सोरनसेन, आर.जे.डी., गैल्स, एन.सी., झंग, पी., अरवकिन, ए., डानोवारो-हॉलिडे, एम.सी., मार्टिनेज-पिपेडा, आर., सोहदा, एस.वी., वैलेंडिया-गॉजालेस, एम.पी., गेसिक-डोबो, एम, कास्त्रो, ई, हे, जे, शिप, एम, दीन, ए, हे, एस आई, लिम, एस.एस., और मोसस्, जे एफ (2021) 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान नियमित बचपन के टीके कवरेज के लिए वैश्विक और क्षेत्रीय व्यवधानों का आकलन: एक मॉडलिंग अध्ययन। द लॉसेट, 398(10299), 522-534. [https://doi.org/10.1016/S0140-6736\(21\)01337-4](https://doi.org/10.1016/S0140-6736(21)01337-4)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) (2022, फरवरी). कोविड-19 महामारी के दौरान आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता पर वैश्विक पल्स सर्वेक्षण का तीसरा दौर (अंतरिम रिपोर्ट, नवंबर-दिसंबर 2021) 27 जुलाई 2022 को एक्सेस किया गया। https://www.who.int/publications-detail-redirect/WHO-2019-nCoV-EHS_continuity-survey-2022.1

स्वच्छता

आईएचएमई (IHME) सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता तक पहुँच के साथ जनसंख्या के अनुपात का अनुमान लगाता है। जैसा कि संयुक्त निगरानी कार्यक्रम (जेएमपी) द्वारा परिभाषित किया गया है, एक सुरक्षित रूप से प्रबंधित सुविधा के लिए तीन मानदंडों को पूरा करना आवश्यक है: (i) इसे कई घरों के साथ साझा नहीं किया जाता है, (ii) एक बेहतर स्वच्छता सुविधा है, और (iii) इसके अपशिष्ट जल का सुरक्षित रूप से निपटारा किया जाता है। सुरक्षित अपशिष्ट जल निपटारा प्रक्रिया में उपचारित किया जा सकता है और इसे मूल स्थान में निपटारा जा सकता है, अस्थायी रूप से संग्रहित किया जा सकता है और किसी और स्थान पर ले जा कर उपचारित किया जा सकता है, या किसी सीवर के माध्यम से ले जाया जा सकता है और उपचारित किया जा सकता है। सुरक्षित रूप से प्रबंधित उपचारित अपशिष्ट जल को कम से कम द्वितीयक उपचार प्राप्त होना चाहिए। आईएचएमई (IHME) ने घरों को पाइप से स्वच्छता (सीवर कनेक्शन या सेंट्रिक टैंक के साथ) के साथ मापा; बेहतर स्वच्छता वाले घर, लेकिन बिना सीवर कनेक्शन के (गड्डे वाले शौचालय, हवादार उन्नत शौचालय, स्लैब के साथ गड्डे वाला शौचालय, कंपोस्टिंग शौचालय); बेहतर स्वच्छता के बिना घर (फ्लश शौचालय जो सीवर या सेंट्रिक टैंक में पाइप नहीं किया जाता है, बिना स्लैब या खुले गड्डे के गड्डे वाला शौचालय, बाल्टी, हैंगिंग शौचालय या हैंगिंग लैट्रीन, कोई सुविधा नहीं); और सीवर से जुड़े घरों के लिए अपशिष्ट जल उपचार प्रकार, जैसा कि जल आपूर्ति और स्वच्छता के लिए जेएमपी द्वारा परिभाषित किया गया है। 2021 गोलकीपर्स रिपोर्ट के लिए दो नए मॉडल

विकसित किए गए, जो सीवर से जुड़ी सुविधाओं का अनुपात दर्शाते हैं जो सुरक्षित रूप से प्रबंधित हैं और बेहतर, गैर-सीवर सुविधाओं का अनुपात जो सुरक्षित रूप से प्रबंधित हैं।

आईएचएमई (IHME) ने एक मेटा-रिग्रेशन, बायेसियन, नियमित, ट्रिपल (MR-BRT) स्पलाइन कैस्केड मॉडल का उपयोग किया, जिसमें सीरियल डिजिटल इंटरफ़ेस (एसडिआई) द्वारा एक भविष्यवक्ता के रूप में, सुपर-क्षेत्र और देश में व्यापक रूप से सीवर से जुड़ी सुविधाओं के अनुपात का अनुमान लगाया गया जो सुरक्षित रूप से प्रबंधित हैं। क्रॉस-वैलिडेशन का उपयोग करते हुए, उन्होंने आउट-ऑफ-सैंपल रूट-मीन-स्वकारण विचलन (आरएमएसई) के आधार पर कैंडिडेट मॉडल के संग्रह से इस मॉडल का चयन किया। इस मॉडल के अनुमानों को सीवर से जुड़ी सुविधाओं के साथ आबादी के अनुपात के मौजूदा आईएचएमई अनुमानों से गुणा किया गया ताकि सुरक्षित रूप से प्रबंधित सीवर से जुड़ी सुविधाओं के साथ आबादी के अनुपात का अनुमान लगाया जा सके।

आईएचएमई (IHME) ने एक आकार सीमित योगात्मक मॉडल का उपयोग किया, जिसमें प्रति व्यक्ति की कम रह गई वितरित आय (एलडीआई) एक भविष्यवक्ता के रूप में और सुपर-क्षेत्र और देश पर यादृच्छिक प्रभावों के साथ बेहतर, गैर-सीवर सुविधाओं के अनुपात का अनुमान लगाने के लिए दर्शाई गई है जो सुरक्षित रूप से प्रबंधित हैं। क्रॉस-वैलिडेशन का उपयोग करते हुए, उन्होंने आउट-ऑफ-सैंपल आरएमएसई के आधार पर उम्मीदवार मॉडल के संग्रह से इस मॉडल का चयन किया। इस मॉडल के अनुमानों को आईएचएमई (IHME) के अनुमानों से बेहतर, गैर-सीवर-जुड़े सुविधाओं के साथ जनसंख्या के अनुपात से गुणा किया गया ताकि सुरक्षित रूप से प्रबंधित बेहतर गैर-सीवर सुविधाओं के साथ जनसंख्या के अनुपात का अनुमान लगाया जा सके।

सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता के साथ कुल जनसंख्या के अनुपात का अनुमान लगाने के लिए, सुरक्षित रूप से प्रबंधित सीवर से जुड़ी सुविधाओं के साथ जनसंख्या के अनुपात को सुरक्षित रूप से प्रबंधित गैर-सीवर सुविधाओं के साथ जनसंख्या के अनुपात में जोड़ा गया था। आईएचएमई (IHME) ने पश्चिम सिमुलेशन का उपयोग करके मॉडलिंग श्रृंखला के सभी घटकों के माध्यम से अनिश्चितता का प्रचार किया जिसमें प्रत्येक मॉडल के पश्चिम वितरण से 1,000 ड्रॉ पर सभी गणना की गई थी। कोविड-19 महामारी के प्रभावों और प्रति व्यक्ति आय और शिक्षा के अनुमानों का पता लगाने के लिए एक प्रमुख वाहक के रूप में सीरियल डिजिटल इंटरफ़ेस (एसडिआई) का उपयोग करते हुए, असुरक्षित स्वच्छता के सारांश जोखिम मूल्य का पूर्वानुमान लगाने के लिए 2030 के अनुमानों को एक समग्र दृष्टिकोण का उपयोग करके तैयार किया गया था।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन एंड यूनिसेफ जॉइंट मानदरिंग प्रोग्राम (जेएमपी) फॉर वॉटर सप्लाई, सैनिटेशन एंड हाइजीन (2021). सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता सेवाओं का उपयोग करने वाली जनसंख्या का अनुपात [एसडीजी संकेतक 6.2.1a metadata]. जेएमपी. 12 दिसंबर, 2021 को एक्सेस किया गया। <https://washdata.org/sites/default/files/2022-01/jmp-2021-metadata-sdg-621a.pdf>

झोंग, पी., बार्बर, आर., सोरनसेन, आर.जे.डी., मर, सी.जे.एल., और अरवकिन, ए.वाई. (2021) ट्रिपल किए गए विवश मिश्रित प्रभाव मॉडल: फॉर्मलेशन और एप्लोरिडम। कम्यूटेशनल और ग्राफिकल सांख्यिकी का जर्नल 30(3), 544-556. <https://doi.org/10.1080/10618600.2020.1868303>

आईएचएमई (IHME) संकेतक स्रोत

प्रत्येक संकेतक के लिए डेटा स्रोत की जानकारी नीचे सूचीबद्ध है और ऑनलाइन जानकारी जीबीडी 2021 के प्रकाशन के बाद

आईएचएमई (IHME) संकेतक स्रोत

गरीबी

गरीबी के आंकड़े सरकारी सांख्यिकीय एजेंसियों और विश्व बैंक के देश के विभागों से प्राप्त प्राथमिक घरेलू सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित हैं। उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाओं के लिए डेटा मुख्य रूप से एलआईएस (पूर्व में लकज़मबर्ग आय अध्ययन) डेटाबेस से लिया जाता है।

2019-2022 के अनुमानों के लिए, अत्यधिक गरीबी का आंकड़न 1.90 अमेरिकी डॉलर प्रति दिन से कम पर जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या के अनुपात के रूप में मापा जाता है। 2018 आधिकारिक वैश्विक गरीबी अनुमानों वाला अंतिम वर्ष है। बेसलाइन और निराशावादी अनुमान अप्रैल 2022 मैक्रो पॉवर्टी आउटलुक डेटा सेट के आधार पर गरीबी और असमानता प्लेटफॉर्म डेटाबेस के विकास पूर्वानुमानों का उपयोग करते हैं। आधारभूत परिदृश्य कोविड-19 महामारी, बढ़ती मुद्रास्फीति और यूक्रेन में संघर्ष के प्रभावों को सभी घरों में समान रूप से प्रभावी मानता है। निराशापूर्ण परिदृश्य में बेसलाइन परिदृश्य में शीर्ष 60% की तुलना में नीचे 40% पर बढ़ती खाद्य कीमतों का अनुपातहीन प्रभाव शामिल है। आधिकारिक गरीबी अनुमान पूर्वी एशिया और प्रशांत, यूरोप और मध्य एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन, उप-सहारा अफ्रीका और शेष दुनिया के लिए 2019 तक और मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के लिए 2018 तक उपलब्ध हैं। केवल 2014 तक के आधिकारिक दक्षिण एशिया अनुमान उपलब्ध हैं। क्षेत्रों को गरीबी और असमानता प्लेटफॉर्म परिभाषा का उपयोग करके वर्गीकृत किया गया है।

लकज़मबर्ग आय अध्ययन डेटाबेस (एल आई एस)। <https://www.lisdatacenter.org/>

विश्व बैंक। गरीबी का अनुपात 1.90 डॉलर प्रति दिन (2011 पीपीपी) (जनसंख्या का %) [डेटा सेट]। गरीबी और असमानता मंच: विश्व विकास संकेतक। जून 2022 को एक्सेस किया गया। <https://data.worldbank.org/indicator/SI.POV.DDAY>। लाइसेंस:CC BY-4.0.

2019-2022 के अनुमान

लेक्नर, सी., महलर, डी.जी., नेग्रे, एम., और प्राइडज़, ई.बी. (2022) वैश्विक गरीबी के लिए असमानता को कम करना कितना मायने रखता है? आर्थिक समानता के जर्नल। <https://doi.org/10.1007/s10888-021-09510-w>

विश्व बैंक। मैक्रो पॉवर्टी आउटलुक [डेटा सेट] गरीबी और असमानता मंच: विश्व विकास संकेतक। जुलाई 2022 को एक्सेस किया गया। <https://www.worldbank.org/en/publication/macro-poverty-outlook>। अनुरोध पर विश्व बैंक द्वारा प्रदान किया गया हेडकाउंट अनुपात।

कार्यप्रणाली के लिए देखें: विश्व बैंक। (2022) गरीबी और असमानता मंच कार्यप्रणाली हैंडबुक। <https://worldbank.github.io/PIP-Methodology/>

कृषि

राष्ट्रीय सर्वेक्षण डेटा (रुलिस परियोजना) पर एफएओ गणना और आधिकारिक अनुमानों की गणना 50x2030 पहल के समर्थन से की गई थी।

50x2030. (2022). डेटा-स्मार्ट कृषि के लिए एक साझेदारी। <https://www.50x2030.org/>

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ)। कृषि से औसत वार्षिक आय, पीपीपी (स्थिर 2011 अंतर्राष्ट्रीय अमरीकी डालर) [डेटा सेट]। रुलिस - रुलर लाइवलीहुड इन्फर्मेंशन सिस्टम। जून 2022 को एक्सेस किया गया। www.fao.org/in-action/rural-livelihoods-dataset-rulis/

2005 से 2020 तक, सबसे हाल के वर्ष के डेटा का उपयोग चुनिंदा देशों के लिए किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ)। (2021). एसडीजी और राष्ट्रीय संकेतकों की गणना के लिए कृषिसर्वेक्षण डेटा का उपयोग: तीन देशों में अनुभव [दिश संक्षिप्त] www.fao.org/3/cb4762en/cb4762en.pdf। लाइसेंस: CC BY-NC-SA 3.0 IGO.

कार्यप्रणाली के लिए देखें:

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ)। (2018). रुलर लाइवलीहुड इन्फर्मेंशन सिस्टम. (रुलिस): घरेलू सर्वेक्षणों से प्राप्त संकेतकों के लिए उपयोग की जाने वाली अवधारणाओं और परिभाषाओं पर तकनीकी नोट्स [रिपोर्ट]। एफएओ www.fao.org/3/ca2813en/CA2813EN.pdf। Licence: CC BY-NC-SA 3.0 IGO

शिक्षा

युनेस्को सांख्यिकी संस्थान (यूआईएस)। सतत विकास लक्ष्य 4. युनेस्को सांख्यिकी संस्थान (यूआईएस)। डेटा जून 2022 तक एक्सेस किया गया <http://sdg4-data.uis.unesco.org/>

लर्निंग पॉवर्टी 2019 डेटा के लिए स्रोत:

विश्व बैंक एवं युनेस्को सांख्यिकी संस्थान. (2019). ऐतिहासिक डेटा और उप-घटक [डेटा सेट]। गरीबी डेटाबेस सीखना। <https://datacatalog.worldbank.org/search/dataset/0038947>

लर्निंग पॉवर्टी 2022 डेटा के लिए स्रोत:

अज़ेवेदो, जे.पी., डेमोन्बिन्स, जी., और वॉग, वाई.एन. 2022 से लिए गए 2022 सिमुलेशन परिणाम। लैटिन अमेरिका में सीखने के नुकसान के लिए महामारी ने अधिक चिंता क्यों नहीं पैदा की है? विश्व बैंक ब्लॉग: वैश्विक विकास के लिए शिक्षा (आगामी)।

लैंगिक समानता

चार्ट संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सतत विकास लक्ष्य डेटाबेस, भारत सरकार के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के डेटा पर आधारित है।

इस समय 92 देशों और क्षेत्रों (2001-2019) के लिए नवीनतम डेटा उपलब्ध है। आयु वर्ग 15 और उससे अधिक है, जहाँ उपलब्ध है (घाना में 18 और उससे अधिक)। कई मामलों में, डेटा 10 और उससे अधिक उम्र (n=13) या 12 और उससे अधिक उम्र (n=3) के लिए होता है। मलेशिया, आयरलैंड और कंबोडिया के लिए डेटा 15 से 64 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को

संदर्भित करता है। थाईलैंड (2015) और भारत (2019) के मामले में, डेटा 6 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को इसमें शामिल करता है, और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (2014) में यह उम्र 5 और उससे अधिक है। बुल्गारिया, डेनमार्क, लातविया, नीदरलैंड, स्लोवेनिया और स्पेन के लिए डेटा केवल 20 से 74 वर्ष की आयु के बीच अवैतनिक देखभाल पर खर्च किए गए समय से मेल खाता है। परिभाषाओं, कार्यप्रणाली और नमूना कवरेज में सर्वेक्षणों और देशों में विविधता को देखते हुए, देशों में मतभेदों की व्याख्या सावधानी से की जानी चाहिए। टाइम-डायरी डेटा अक्सर पर्यवेक्षी जिम्मेदारियों को अलग करता है, जिससे देखभाल के समय की कमी को कम करके आंका जाता है।

भारत और मेडागास्कर को छोड़कर देश-स्तरीय डेटा पर अधिक जानकारी के लिए देखें: यूएन सांख्यिकी विभाग (2022, May). वैश्विक एसडीजी संकेतक डेटा प्लेटफॉर्म। <https://unstats.un.org/sdgs/dataportal>

भारत और मेडागास्कर के लिए डेटा इस तिथि से उपलब्ध है: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय। (2019)। समय उपयोग सर्वेक्षण रिपोर्ट। भारत सरकार। <http://164.100.161.63/download-reports>

आदतती, एल., काटानो, यू, एस्किवेल, पी., एन्ड वैलेरियो, आई. (2018). अच्छे काम के भविष्य के लिए केयर वर्क और केयर जॉब्स। जिनेवा: अंतर्राष्ट्रीय मजदूर संगठन। https://www.ilo.org/global/publications/books/WCMS_633135/lang--en/index.htm

गरीबी के लिए वित्तीय सेवाएं

"आय" तुलना से तात्पर्य है कि विश्व बैंक क्रमशः 60% सबसे अमीर परिवारों और सबसे गरीब 40% परिवारों के खाते के स्वामित्व की गणना करता है।

डेमिगुक-कुंट, ए., क्लैपर, एल., सिंगर, डी., और एस. अंसार. (2022)। ग्लोबल फाइंडेक्स डेटाबेस 2021: वित्तीय समावेशन, डिजिटल भुगतान और कोविड-19 के युग में लचीलापन। वाशिंगटन, डीसी: विश्व बैंक। <https://openknowledge.worldbank.org/handle/10986/37578> लाइसेंस: CC BY 3.0 IGO.

विश्व बैंक। (2022) किसी वित्तीय संस्थान में या मोबाइल-मनी-सर्विस प्रोवाइडर के पास खाता स्वामित्व (15+ आयु वर्ग की जनसंख्या का%) [डेटा सेट]। ग्लोबल फाइंडेक्स डेटाबेस। जून 2022 को एक्सेस किया गया। <https://data.worldbank.org/indicator/FX.OWN.TOTL.ZS> लाइसेंस: CC BY-4.0.

कार्यप्रणाली के लिए देखें:

विश्व बैंक। (2022) सर्वेक्षण पद्धति। ग्लोबल फाइंडेक्स डेटाबेस 2021 में: वित्तीय समावेशन, डिजिटल भुगतान, और कोविड-19 के युग में लचीलापन (पीपी)। 181-197) वाशिंगटन, डीसी: विश्व बैंक। <https://thedocs.worldbank.org/en/doc/f3ee545aac6879c27f8acb61abc4b6f8-0050062022/original/Findex-2021-Methodology.pdf> License: CC BY-4.0.f3ee545aac6879c27f8acb61abc4b6f8-0050062022/original/Findex-2021-Methodology.pdf License: CC BY-4.0.